●वर्ष : 16 ●अंक : 105 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 03 अगस्त 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

अब तीन छात्रों की हुई मौतों की जांच सीबीआई करेगी

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। उच्च न्यायालय ने राजेंद्र नगर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। अदालत ने इस निर्णय के कारणों के रूप में घटनाओं की गंभीरता और लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार में संभावित संलिप्तता का हवाला दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत की सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी को नामित करने का निर्देश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से हुई मौत पर अविश्वास जताया और कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि छात्र कैसे बाहर नहीं आ सके। पीठ ने पूछा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों ने क्षेत्र में काम नहीं कर रहे बरसाती पानी के नालों के बारे में आयुक्त को सूचित क्यों नहीं किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि एमसीडी अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं है और यह एक आदर्श बन गया है। इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार, एमसीडी और अन्य नागरिक अधिकारियों की आलोचना की थी। अदालत ने सवाल किया कि उपनियमों के उदारीकरण के बावजूद सदियों पुराने बुनियादी ढांचे को उन्नत क्यों नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने व्यक्त किया कि वास्तविक दोषियों को छोड़ कर निदोर्षों को दंडित करना घोर अन्याय होगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को तथ्यों का स्पष्ट विवरण प्रदान करने का भी निर्देश दिया, यह कहते हुए कि ऐसा करने में विफल होना अस्वीकार्य होगा और इसकी तुलना "ब्रदर्स क्लब" दृष्टिकोण से की जाएगी।

महाभारत का किस्सा मत सुनाओ, लोकसभा में बोले ओम बिरला

शिवराज ने कांग्रेस को धोया

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। संसद का मानसून सत्र जारी है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार में किसानों के कल्याण पर बात की। चिराग पासवान ने इससे पहले राज्यसभा में पंजाब में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर सवालों के जवाब दिए, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की एक विस्तृत रूपरेखा भी दी। लोकसभा ने आयुष्मान भारत और अन्य सहित स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं पर चर्चा की। राज्यसभा में आज नीट पर चर्चा हुई। लोकसभा ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को शुक्रवार को बधाई दी और इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में अन्य भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की कामना की।

लोकसभा की कार्यवाही

- लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि नए संसद भवन के डिजाइन, निर्माण और सुविधाओं की समीक्षा की जानी चाहिए तथा उम्मीद है कि इस बारे में सभी प्रमुख दलों की राय ली जाएगी।
- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन में किसी का नाम लिए बगैर तंज कसते हुए कहा कि आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चलता है। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रदीप पुरोहित ने आयुष मंत्रालय से संबंधित प्रश्न पूछने के दौरान रामायण के एक प्रसंग का उल्लेख किया।
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत सस्ती कीमतों पर बेची जाने वाली दवाओं और चिकित्सा उपकरणों से लोगों को अब तक 28,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने में मदद मिली है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद अपराजिता सारंगी नेशुक्रवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का सपना स्वस्थ एवं विकसित भारत बनाना है और इस दिशा में बहुत कुछ किया जा चुका है और बहुत कुछ किया जाना शेष है।
- कांग्रेस ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत इलाज के नाम पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह निजी अस्पतालों को मरीज उपलब्ध कराने की योजना बनकर रह गई है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने यह भी कहा कि सरकार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा।
- तृणमूल कांग्रेस की सांसद शर्मिला सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से मुक्त किया जाए।
- देश में इस साल एक मार्च से 27 जुलाई के बीच लू और भीषण गर्मी से मौत के कुल 374 मामले सामने आए और संदिग्ध लू के 67,637 मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा को यह जानकारी दी।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

संसद में जाति पर जारी सियासी जंग के राजनीतिक मायने को ऐसे समझिए

वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो 'जाति' कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है। पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके 'चतुरसुजान' नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया। तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वतः संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी 'कालीदासी विद्वत्ता' का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

वायनाड हादसे में झूठे दावे का आरोप, गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस ने की विशेषाधिकार हनन की शिकायत

नूना न्यूज एजेंसी

केरल। के वायनाड में भूस्खलन पर उनके दावे को लेकर कांग्रेस द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ शुक्रवार को एक विशेषाधिकार शिकायत दायर की गई। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस पेश किया। विशेषाधिकार नोटिस में अमित शाह के इस दावे पर आपत्ति जताई गई है कि वायनाड में भूस्खलन से पहले केरल सरकार को शुरूआती चेतावनी दी गई थी। शाह ने यह भी दावा किया था कि केरल सरकार ने चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं की, विशेषाधिकार नोटिस में जयराम रमेश ने इस दावे का खंडन किया था। विशेषाधिकार नोटिस में कहा गया कि यह स्पष्ट है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रारंभिक चेतावनियों पर अपने जोरदार बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया जो कि झूठी साबित हुई हैं। 31 जुलाई को राज्यसभा में एक संबोधन के दौरान गृह मंत्री ने दावा किया था।

घुसपैठ रोकना सिर्फ केंद्र की नहीं, सभी की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री हिमंत

नूना न्यूज एजेंसी

असम। के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि घुसपैठ रोकना केवल केंद्र सरकार की नहीं बल्कि सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी से वह फॉर्मूला भी जानना चाहा कि अपनी जाति बताए बिना जाति सर्वेक्षण कैसे किया जाए। भाजपा के झारखंड चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, झारखंड का संथाल परगना घुसपैठ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पिछले 20 वर्षों में इस क्षेत्र के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में घुसपैठियों की आबादी 50-60 प्रतिशत बढ़ गई है और स्थिति असम जैसी हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि असम में मुस्लिम आबादी 1952 के 12 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 40-42 प्रतिशत हो गई है, जिसका मुख्य कारण घुसपैठ है। शर्मा ने कहा, अगर घुसपैठ जारी रही तो वह दिन दूर नहीं जब मुख्यमंत्री को उनके (घुसपैठियों के) सामने आत्मसमर्पण करना पड़ेगा। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि राज्य को बचाना सभी की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार को इस मुद्दे पर आम सहमति बनानी चाहिए और घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घुसपैठ के लिए बार-बार केंद्र को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि इसे रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जातीय सर्वेक्षण तो चाहते हैं लेकिन अपनी खुद की जाति का खुलासा नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, जातीय सर्वेक्षण बिहार में कराया गया है। क्या यह सारे देश में कराया जाएगा या नहीं, यह एक अलग मामला है।

आंध्र प्रदेश में छत गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नूना न्यूज एजेंसी

नांदयाल जिले के चिन्नावंगली गांव में एक घर की छत गिर जाने के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अल्लागड्डा के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी शेख शरीफुद्दीन ने बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात मिट्टी की छत गिर जाने के कारण ,गुरु शेखर रेड्डी (42), उनकी पत्नी दस्तागीरम्मा, उनकी दो नाबालिग बेटियों की मौत हो गई। घटना के वक्त सभी सो रहे थे। शरीफुद्दीन ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि हाल के दिनों में लगातार हुई बारिश के कारण, मिट्टी की छत कमजोर पड़ गई और रात को लगभग साढ़े बारह बजे घर मे सो रहे परिवार पर आ गिरी, जिसमें मलबे मे दबकर परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि छत गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी घटनास्थल की ओर दौड़े परन्तु उनके वहां पहुंचने से पहले ही सभी लोग दम तोड़ चुके थे। रेड्डी की एक अन्य बेटी कडप्पा जिले मे रहकर पढ़ाई करती है और घटना के वक्त वह घर मे मौजुद नहीं थी। शरीफुद्दीन ने कहा कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पीएम मोदी बोले- केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु बनें राज्यपाल

>> सीमावर्ती गांवों का दौरा करने की सलाह

सम्मेलन में गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यपालों को सीमावर्ती गांवों और आकांक्षी जिलों का दौरा करने की सलाह दी, ताकि इन क्षेत्रों में विकास योजनाओं को गति मिल सके। दो दिन चलने वाले सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि संविधान के दायरे में रहते हुए भी राज्यपाल राज्य के लोगों के विकास और खासकर जनजातियों क्षेत्र के मामलों में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यपालों की भूमिका को लेकर विपक्ष शासित राज्यों से टकराव और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई के बीच जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोकतंत्र के सुचारू तरीके से चलने के लिए केंद्रीय -एजेंसियों का सभी

जनता तक पहुंचना भी जरूरी

राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम को जरूरी बताया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यपालों से केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु का काम करने की अपील की है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राज्यपाल को अपने राज्य में आम लोगों और एनजीओ से साथ सक्रिय संपर्क के साथ वंचित वर्ग तक पहुंच बनाना चाहिए।

>> समन्वय के साथ काम करना जरूरी: राष्ट्रपति

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि लोकतंत्र के सुचारू तरीके से चलने के लिए केंद्रीय -एजेंसियों का सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करना जरूरी है। उन्होंने अपने-अपने राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते इसके लिए इस सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रास्ते निकालने की सलाह दी।

>> उच्च शिक्षा विकास की अहम कड़ी

राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षा सामाजिक परिवर्तन और व्यक्ति विकास की अहम कड़ी है। विश्वविद्यालय के कुलपति होने के नाते राज्यपाल शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता और सुधार में अहम योगदान कर सकते हैं। राष्ट्रपति के अनुसार सरकार गरीबों और सीमावर्ती इलाकों के साथ ही वंचित वर्गों और क्षेत्रों के विकास पर विशेष जोर दे रही है। विकास में पीछे रह गए अधिकांश आदिवासी जनजातीय इलाकों में रहते हैं। राज्यपालों को इन क्षेत्रों के समुचित विकास का उपाय भी सुझाना चाहिए।

विकास की जानकारी जनता तक पहुंचाना जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपालों को दी जाने वाले शपथ की याद दिलाते हुए कहा कि सामाजिक कल्याण योजनाओं के साथ-साथ पिछले 10 सालों में हुए विकास की जानकारी राज्य की जनता तक पहुंचाना उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। सबसे वरिष्ठ गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सम्मेलन के दौरान चर्चा के लिए चुने विषयों की जानकारी दी, जिनमें युवाओं के बीच बढ़े माद्य पदार्थों के सेवन की समस्या और प्राकृतिक खेती भी शामिल है।

बाढ़ की वो आठ घटनाएं जिनसे कांप उठा था पूरा देश

कहीं 500 तो कहीं 5000 की गई थी जान

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। बाढ़, बारिश और भूस्खलन से देश के कई हिस्सों में हर साल तबाही आती है। सैकड़ों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। इस साल भी केरल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। यह प्राकृतिक आपदाएं लोगों के जेहन में हमेशा के लिए बस जाती हैं। आज बात करेंगे बाढ़ की उन आठ घटनाओं की... जिन्होंने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। 2013 में उत्तराखंड के केदानाथ में बादल फटने से जल प्रलय आया था। चौराबाड़ी झील में बादल फटने से बाद बहकर आए भारी मलबे और विशाल पत्थरों ने तबाही मचाई थी। इस भीषण प्राकृतिक आपदा में 4700 तीर्थ यात्रियों के शव मिले थे। वहीं पांच हजार से अधिक लापता थे। 2014 में पुणे के मालिन गांव में पहाड़ दरकने से भारी तबाही आई थी। यहां बाढ़ और भूस्खलन में करीब 151 लोगों की जान गई थी। पहाड़ टूटने की वजह से पूरा गांव ही मलबे में दब गया था। इस हादसे को अब 10 साल हो चुके हैं। 2014 में कश्मीर में बाढ़ ने अपना रौद्र रूप दिखाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपदा में करीब 500 लोगों की जान गई थी। वहीं 10 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। बाढ़ ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भी तबाही मचाई थी। झेलम नदी का पानी श्रीनगर में भर गया था। इसके अलावा नीलम और पूंछ नदियों में भी बाढ़ आई थी। वायनाड में इस साल भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई। मगर इससे पहले 2018 में भी केरल ऐसी ही विपत्ति का सामना कर चुका है। 2018 में केरल में सदी की सबसे भयानक बाढ़ आई थी। इस बाढ़ में 400 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। करीब दो लाख लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ा था। करीब 14 जिलों में बाढ़ का प्रकोप देखने को मिला था।

मेघालय सरकार ने किसानों के हित में उठाया बड़ा कदम

मदर डेयरी के साथ किया ऐतिहासिक समझौता

नूना न्यूज एजेंसी

शिलांग। मेघालय सरकार ने शुक्रवार को कृषि विपणन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मदर डेयरी फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्य में कृषि आपूर्ति श्रृंखला और कृषि विपणन को बढ़ाना है। उन्होंने कहा, "हम इस एमओयू से बहुत खुश हैं, क्योंकि इसका दायरा लॉजिस्टिक्स को बढ़ाएगा, जिससे हमारे उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की सहायक कंपनी मदर डेयरी अपने व्यापक नेटवर्क के साथ हमारे किसानों को बहुत लाभ पहुंचाएगी।

>> क्या है मदर डेयरी की योजना?

शाह ने कहा, "एनडीडीबी अपनी सहायक कंपनियों के साथ मेघालय के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मेघालय में किसान केंद्रित पहल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेघालय राज्य कृषि विपणन बोर्ड, मेघालय सरकार और मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड के बीच यह समझौता किसानों के हित में एक अग्रणी पहल है। शाह ने यह भी कहा कि एनडीडीबी किसानों को उनकी उपज के लिए सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने में सहायता करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि मेघालय के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के कृषि उत्पाद, जो जैविक होने के लिए सबसे उपयुक्त हैं, निश्चित रूप से इसके दायरे में लाए जाएंगे, ताकि किसानों को बेहतर और लाभकारी मूल्य मिल सके।

>> समझौते से किसानों तक पहुंचेगा लाभ

मेघालय राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अनुसार, इस सहयोग से उपज के परिवहन समय में कमी आएगी, जिससे इसे बड़े बाजारों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने इस पहल की प्रशंसा की। साथ ही मदर डेयरी के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला।

>> योजना के तहत किसानों तक पहुंचेगा बाजार

यह साझेदारी किसानों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करेगी, बाजार संपर्क में सुधार करेगी और फसल कटाई के बाद देखभाल करेगी। फोकस क्षेत्रों में फसल अनुसंधान, किस्मों में सुधार और रसद अनुकूलन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस सौदे का उद्देश्य दिल्ली में 'मेघालय ब्रांड' को बढ़ावा देते हुए डेयरी, फल और सब्जी मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। एनडीडीबी के मीनेश शाह ने मेघालय के कृषि क्षेत्र के लिए एक अग्रणी पहल के रूप में समझौता ज्ञापन की सराहना की।

लद्दाख में भीषण गर्मी के चलते दर्जनों उड़ानें रद

गर्मी का फ्लाइट उड़ने से क्या है लेना-देना?

नूना न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। गर्मी में भी इंसान को जमा देने वाली सर्दी के लिए मशहूर लद्दाख में इन दिनों आग बरस रही है। भीषण गर्मी के चलते इसी हफ्ते के शुरूआत में भारतीय एयरलाइंस को दर्जनों उड़ानें रद करनी पड़ीं। लद्दाख में सर्दियों और बर्फबारी के चलते उड़ानें रद करना आम बात है, जबकि गर्मी के कारण लेह-लद्दाख में इतने बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल करने का यह पहला मामला है। ऐसे में सवाल ये हैं कि इतनी ठंडी जगह पर गर्मी का फ्लाइट उड़ने से क्या लेना-देना? जब दिल्ली में लेह से ज्यादा तापमान में फ्लाइट का टेक-ऑफ और लैंड होना जारी रहता है तो फिर गर्मी के चलते लेह-लद्दाख में फ्लाइट कैंसिल क्यों हुई? लेह स्थिति कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट समुद्र तल से 10,682 फीट की ऊंचाई पर है। यह दुनिया के सबसे ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हवाई अड्डों में से एक है। यहां पर उड़ान भरने और फ्लाइट उतारने के लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। हाल के दिनों में यहां का तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। इस कारण ये कई उड़ानें प्रभावित हुईं। एयर बस फ्लाइट के सीनियर पायलट ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि लेह जितनी ऊंचाई पर अ320 ठीक्क एयर प्लेन का उड़ान भरने के लिए 33 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान चाहिए होता है। इससे ज्यादा तापमान पर इस एयरप्लेन की उड़ानें प्रभावित होती हैं। वहीं स्पाइसजेट की ओर से बताया गया कि लेह हवाई अड्डे पर बोइंग 737 के टेक-ऑफ और लैंड करने के लिए 32 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान चाहिए। विमान के विंग्स के ऊपर का हिस्सा नीचे की तुलना में अधिक घुमावदार होता है। जब विमान रनवे पर तेजी से चलता है तो विं?स के ऊपर की हवा तेजी से बहती है, जिससे विं?स के ऊपर कम और नीचे अधिक दबाव बनता है। यह दबाव अंतर (बनोर्ली सिद्धांत के अनुसार) एक बल उत्पन्न करता है जो विमान को कम दबाव की ओर धकेलता है। यानी ऊपर उठाने में मदद करता है।

सार संक्षेप

लोढ़ा का अयोध्या और गोवा में कोई प्रोजेक्ट नहीं

न्यूज, कास. नई दिल्ली : जन सामान्य के द्वारा लोढ़ा से अयोध्या और गोवा में प्लॉटेड डेवलपमेंट या होटल बनाने के बारे में पूछताछ की जा रही है। घर खरीदने वालों और हितधारकों के बीच स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए, डेवलपर ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है जिसमें बताया गया है कि उल्लिखित संस्थाओं कंपनियों का लोढ़ा से कोई संबंध नहीं है। लोढ़ा मुंबई एमएमआर, पुणे और बैंगलोर में उपस्थित है, जबकि अयोध्या या गोवा में उनका कोई प्रोजेक्ट नहीं है। लोढ़ा का हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा या इसी तरह के किसी नाम या चिन्?ह लोगो का इस्तेमाल करने वाली किसी अन्य संस्थाओं कंपनियों से कोई संबंध नहीं है।

क्लिंक ऑडियो का वॉयसबड्स भारतीय बाजार में लॉन्च

न्यूज, कास. नई दिल्ली : कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की दिग्गज कम्पनी क्लिंक ऑडियो ने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट-वॉयसबड्स लांच करते हुए भारतीय बाजार में दमदार शुरूआत की है। वॉयसबड्स से आपको क्रिस्टल-क्लियर कॉलिंग का अनुभव मिलेगा, जो कम्पनी का वादा है। नई पेशकश से इस उद्योग में नए दौर की शुरूआत हुई है। आगे चल कर क्लिंक ऑडियो प्रीमियम प्रोडक्ट सीरीज पेश करने के लिए तैयार है, जो आपको ऑडियो में नेक्स्ट लेवेल का अनुभव देगी। क्लिंक ऑडियो के वॉयसबड्स की कीमत सिर्फ 2 हजार 9 सौ 99 है। ये एक्सक्लुसिवली आमेजन और कम्पनी की डी2सी वेबसाइट बसपदांनकपवण्बवउ पर उपलब्ध हैं ताकि पूरे भारत के उपभोक्ता आसानी से खरीदें। क्लिंक ऑडियो के टीडब्ल्यूएस वॉयसबड्स अपने लाजवाब फीचर्स के दम पर बाजार में खास पहचान रखते हैं। यही वजह है कि बेजोड़ ऑडियो परफॉर्मेंस की अहमियत समझने वालों की यह खास पसंद होगी।

अमेजन ने प्राइम सदस्यों के लिए एक नया डिलीवरी स्पीड रिकॉर्ड बनाया

न्यूज, कास. नई दिल्ली : अमेजन प्राइम अब उसी-दिन 10 लाख से अधिक और अगले दिन 40 लाख से अधिक उत्पादों की डिलीवरी करता है, जबकि अधिक सतत डिलीवरी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है। अमेजन इंडिया भारत भर में ग्राहकों को तेज, विश्वसनीय और सुविधाजनक डिलीवरी विकल्प प्रदान करने के लिए नवाचार करता रहता है। 2014 में भारत में अगले दिन डिलीवरी का अग्रणी बनने से लेकर 2017 में प्राइम मेंबर्स के लिए उसी-दिन डिलीवरी की शुरूआत तक, हमने सबसे बड़ी उत्पाद श्रृंखला के लिए तेज और विश्वसनीय डिलीवरी को प्राथमिकता देना जारी रखा है। ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, हमने उसी-दिन और अगले दिन डिलीवरी के लिए उपलब्ध उत्पादों की श्रृंखला को मजबूत किया है। आज, प्राइम मेंबर्स को अमेजन डॉट इन पर 10 लाख से अधिक उत्पादों पर मुफ्त, असीमित उसी-दिन डिलीवरी और 40 लाख से अधिक उत्पादों पर अगले दिन डिलीवरी मिलती है।

दुगार्पुर: विद्या रत्न: मेगा एजुकेशन आइकन अवार्ड 2024 से विभूषित हुए मेधावी छात्र और शिक्षाविद

दुगार्पुर: स्कूल और कॉलेज स्तर पर अपने शहर और इलाके का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र - छात्राओं और शिक्षाविदों को इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल की ओर से विद्या रत्न : मेगा एजुकेशन आइकन अवार्ड्स 2024 से विभूषित किया गया।ज्ञात हो कि दुगार्पुर के सृजनी ऑडिटोरियम में आयोजित ह्यूमन राइट्स वर्कशॉप और विद्या रत्न:मेगा एजुकेशन आइकन अवार्ड समारोह में 35 स्कूलों और अन्य शिक्षण संस्थानों के 250 सौ से भी ज्यादा टॉपर स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया।साथ ही,शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षाविदों,शिक्षकों,लेखकों और समाज सेवी संस्थाओं को भी विद्या रत्न अवार्ड से नवाजा गया। इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल के चेयरमैन संजय सिन्हा ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि जीवन में हमेशा पॉजिटिव रहना चाहिए,नेगेटिविटी से बहुत दूर रहें। उन्होंने बच्चों को ह्यूमन राइट्स से जुड़े कुछ टिप्स भी बताए।इससे पहले संस्था की जिला अध्यक्ष,विमेंस विंग अंगश्री बिस्वास ने स्वागत भाषण दिया।सम्मान प्राप्त करने वालों में शामिल हैं डॉक्टर कलीमुल हक, डॉक्टर अराफात अली, मोहम्मद एहतेशाम अहमद, मुनीर शमी, वंडर कोचिंग सेंटर, श्रीकांत बधुक,काजी मोहम्मद रफीक, मालविका घोष, अंगाश्री बिस्वास, इंटरनेशनल पाठशाला परिवार आदि। बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थीं दुगार्पुर नगर निगम की चेयरमैन अनिंदिता मुखर्जी, विशेष अतिथि थे काजी नजरूल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर देवाशीष बंधोपाध्याय, आसनसोल दुगार्पुर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन कवि दत्ता, फिल्म अभिनेत्री पायल सरकार, पावर लिफ्टर सीमा दत्ता चटर्जी, स्पोर्ट्स पर्सन कमलेंदु मिश्रा,पार्षद दीपांकर लाहा आदि। संस्था के पदाधिकारी दीपक मित्रा, सरदार सतबीर सिंह, पोली मिश्रा, कौशिक रॉय चौधरी, अंजन दे,नवाब सिद्दीकी, इमरान सिद्दीकी, वसीम खान आदि की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पूनम रॉय और उनके सहयोगियों ने नृत्य पेश कर समां बांध दिया। राजश्री चक्रबर्ती ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

टिकट चेकिंग स्टाफ ने ट्रेन में सवार यात्री को चिकित्सा सहायता प्रदान की

नई दिल्ली, अगस्त : देश मानवता में अद्वितीय शक्ति है। आज की दुनिया में, जहां हर कोई निरंतर दौड़ में फंसा हुआ है, मानवता का असली सार धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। किसी को मदद की पेशकश करते हुए देखना वास्तव में एक दुर्लभ घटना है। एक ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक द्वारा अत्यधिक खून बह रहे एक यात्री को प्राथमिक उपचार प्रदान करने का एक ऐसा दिल छू लेने वाला घटना ने सभी का ध्यान खींचा है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उप ट्रेन अधीक्षक के पद पर कार्यरत विजेंदर घुनावत के लिए एक और कार्य दिवस था। 27 जुलाई को, विजेंदर घुनावत ट्रेन नंबर 22436/वंदे भारत एक्सप्रेस में टिकट चेकिंग ड्यूटी कर रहे थे (नई दिल्ली-वाराणसी)। सुधीर यादव (एक यात्री) के कोच सी-2 में सीट नंबर 15 था जल्दबाजी में ट्रेन में चढ़ते समय उनके घुटने में गहरी चोट लग गई और खून बहने लगा। यात्री ने घटना की जानकारी ट्रेन अधीक्षक को दी और रेल मदद के जरिए जानकारी दी। घटना के बारे में पता चलने पर विजेंदर घुनावत, उप ट्रेन अधीक्षक, नई दिल्ली जो कोच सी-1 में अपनी टिकट चेकिंग ड्यूटी कर रहे थे, यात्री की मदद के लिए दौड़े। ट्रेन अधीक्षक रमेश कुमार भी प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स के साथ मौके पर पहुंचे। विजेंदर घुनावत ने गर्म पानी का उपयोग करके घाव को साफ किया और घायल यात्री को आवश्यक उपचार प्रदान किया। अनुरोध पर घायल यात्री को आरामदायक सीट भी प्रदान की गई और गंतव्य स्टेशन यानी वाराणसी तक उनका ध्यान रखा गया।

गैलेक्सी प्रोडक्शन ने मोहम्मद रफी जी की 44 वी पुण्यतिथि पर एक शो का आयोजन किया "क्या तुम मुझे यूं भुला न पाओगे"

अनिल अरोड़ा सह सम्पादक

नई दिल्ली : गत दिनों पूर्वी दिल्ली स्थित निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन के पास एस एस एस स्टूडियो मे जाने-माने प्रोडक्शन हाउस गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के डायरेक्टर शफीक उर रहमान के द्वारा 31 जुलाई 2024 को एक शानदार शो का आयोजन किया गया जिसका टाइटल रहा तुम "मुझे यूं भुला न पाओगे" जिसमें मोहम्मद रफी साहब के फिल्माए गीतों को पेश किया गया और बहुत ही अच्छे अच्छे सिंगरो ने पहुंचकर अपनी मौजूदगी दर्ज की। गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस के डायरेक्टर शाफिक उर रहमान के द्वारा आए हुए सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया साथ ही चीफ गेस्ट रहे बहार आलम जो की एक बेहतरीन सिंगर और एक बेहतरीन इंसान है। साथ ही मोटर विजन के फाउंडर मोहम्मद यूनुस नासिब, हाजी सरफराज, रवि राठी, सुषमा कक्कर, एस.नासिर, समर खान, डायरेक्टर प्रेम हंस, ऋतू गुप्ता, अजहर

फिरदौसी, यास्मीन खान, मेहनाज, नदीम खान, अनिल अरोरा, टिका राम, राजू शील, यूनुस अंसारी, आदि उपस्थित रहे। सिंगरों की बात करें तो एक से बढ़कर एक सिंगर ने अपने अपने गीतों को पेश किया और मोहम्मद रफी साहब को याद किया। गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस समय-समय पर इस तरह के आयोजन करता रहता है और हमेशा करता रहेगा क्योंकि संगीत के प्रति गैलेक्सी प्रोडक्शन हाउस की जो लगन है वह दिखाई देती है और साथ ही इस तरह के आयोजन करके शफीक उर रहमान जी ने बताया कि हमारे दिल को सुकून मिलता है हम अपने लेजेंडरी सिंगरों एक्टरों या कोई भी महान कलाकार होता है तो उनकी याद में कार्यक्रम करते हैं तो दिल को सुकून मिलता है और आगे भी हम कोशिश करेंगे इस तरह के कार्यक्रम करते रहे जिससे कि आने वाले नए टैलेंट को दुनिया के सामने पेश होने का मौका मिलेगा और साथ ही हमारी खुशकिस्मती है कि हम उन लेजेंडरी सिंगरों एक्टरों को याद कर रहे है जिन्हें दुनिया सलाम करती है शो के अंत में सरताज आलम ने न किसी की आँख का नूर हूँ न किसी के दिल का करार हूँ किसी काम में जो न आ सके मैं वो एक मुश्त-ए-गुबार हूँ यह गाने गए के सब का मुँह मोलिया और यह शो के एंकर भी थे जिन्होंने शो का संचालन बहुतब अच्छे से किया!

टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक भागीदारी के साथ तीसरा सुब्रतो कप 5 अगस्त को शुरू होगा

नई दिल्ली, अगस्त : तीसरे सुब्रतो कप की शुरूआत 5 अगस्त को होने जा रही है, जिसमें अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी देखने को मिलेगी। प्रतिष्ठित सुब्रतो कप अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट का 63वां संस्करण 111 टीमों के साथ आयोजित किया जाएगा, जो तीन श्रेणियों जूनियर बॉयज, जूनियर गर्ल्स और सब-जूनियर बॉयज में प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह आयोजन 5 अगस्त से 11 सितंबर तक नई दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु में होगा। इसकी आधिकारिक घोषणा नई दिल्ली के आकाश ऑफिसर मेस में एक प्रेस इवेंट के दौरान की गई, जहां एयर मार्शल आरके आनंद वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज प्रशासन और सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पैरेलंपिक चैंपियन और पद्म श्री और खेल रत्न पुरस्कार प्राप्तकर्ता डॉ. दीपा मलिक इस अवसर पर मुख्य अतिथि थीं।

सुब्रतो कप की शुरूआत 1960 में हुई थी और यह एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी के नाम पर है, जिन्होंने ग्रासरुट स्तर पर खेल को बढ़ावा देने का विचार प्रस्तुत किया था। टूर्नामेंट की शुरूआत 5 अगस्त को नई दिल्ली एनसीआर में जूनियर गर्ल्स (अंडर 17) श्रेणी से होगी। सब-जूनियर बॉयज (अंडर 15) की प्रतियोगिताएं 19 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगी, जबकि जूनियर बॉयज (अंडर 17) की श्रेणी 2 सितंबर को नई दिल्ली एनसीआर में प्रारंभ होगी।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति का आक्रोश मार्च आज

कुरुक्षेत्र, 1 अगस्त : पुरानी पेंशन बहाली के लिए पेंशन बहाली संघर्ष समिति कुरुक्षेत्र द्वारा आक्रोश मार्च शुक्रवार 2 अगस्त को 3 बजे पुराने बस स्टैंड से लघु सचिवालय कुरुक्षेत्र तक होगा। जानकारी देते हुए पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला प्रधान नरेश फूले व महासचिव महेंद्र शर्मा ने बताया कि समिति काफी समय से पुरानी पेंशन बहाली के लिए संघर्ष कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा के सभी जिलों में संघर्ष समिति द्वारा आक्रोश मार्च शुरू किए गए हैं जिसमें कर्मचारी इकट्ठे होकर सरकार से अपनी एक ही मांग पुरानी पेंशन बहाल करने की रख रहे हैं। जिला प्रेस प्रवक्ता अमरजीत पांचाल ने बताया कि जिले के सभी यूनियंस के प्रधान व पदाधिकारी व सभी विभागों के कर्मचारी इकट्ठे होकर आक्रोश मार्च करेंगे, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल व राज्य कार्यकारिणी के सदस्य रहेंगे।

'घुसपैठिया' की टीम का कफ परेड के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में साइबर सुरक्षा मुख्यालय दौरा किया

नई दिल्ली, अगस्त : सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित और विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय अभिनीत आगामी फिल्म 'घुसपैठिया' की टीम ने कफ परेड के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में साइबर सुरक्षा मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरे में महाराष्ट्र साइबर विभाग के आईजीपी यशस्वी यादव आईपीएस के साथ बैठक शामिल थी, जिसमें भारत और दुनिया भर में साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस दौरे के दौरान, अभिनेता विनीत कुमार सिंह और अक्षय ओबेरॉय ने निर्देशक सुसी गणेशन के साथ साइबर अपराधों के प्रचलित मुद्दों के बारे में आईजीपी यशस्वी यादव के साथ एक व्यावहारिक चर्चा की। विनीत कुमार सिंह ने कहा, ह्साइबर धोखाधड़ी एक बढ़ता हुआ खतरा है, और लोगों को ऑनलाइन सामना करने वाले खतरों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य अपने मंच का उपयोग शिक्षित करने और सुरक्षा के लिए करना है।

अक्षय ओबेरॉय ने जोर देकर कहा, 'साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति को समझकर, हम खुद को और अपने प्रियजनों को बेहतर तरीके से सुरक्षित कर सकते हैं। यह दौरा हमारी आंखें खोलने वाला रहा है, और हम इस जागरूकता को फैलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास : प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली, अगस्त : देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूर्या फाउंडेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त सांसद राजू बिष्ट एवं भोला सिंह, कोस्तुभ कर्माकर (वेद जी) वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन, डॉ. डी.एन. शर्मा व डॉ. आर.एस. डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बिजय राज शिन्दे पूर्व विधायक बुलढाना महाराष्ट्रा, नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए।

अंतर्राज्यीय चोरी और लूट मामलों में शामिल इनामी आरोपी असले सहित गिरफ्तार

करीब 8 साल की नौकरी

कुरुक्षेत्र के ही खासपुर के रहने वाले सुनील कुमार उर्फ फौजी वर्ष 2007 में बतौर सिपाही सीआरपीएफ में भर्ती हुआ और वर्ष 2016 तक तैनात रहा। इसी दौरान उसने अपने पहचान के दर्जनों युवकों से सीआरपीएफ में भर्ती कराने की आड़ में लाखों रुपये ले लिए। जब वह युवकों को भर्ती नहीं करवा सका और ना ही लिए गए रुपये लौटाए तो युवकों ने उसके कमांडिंग आफिसर से मुलाकात कर पूरे मामले जानकारी उनको दी। आरोपी पर मामला निपटाने व जांच शुरू होने का दबाव बनने लगा तो 2015 में छुट्टी आने के बाद वह दोबारा ड्यूटी पर नहीं पहुंचा जिस कारण उसे सीआरपीएफ से डिसमिस कर दिया था।

थानेसर, अगस्त : कुरुक्षेत्र पुलिस ने अंतरराज्यीय चोरी और लूट मामलों में शामिल आरोपी को असले सहित गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने अंतर्राज्य चोरी और लूट मामलों में शामिल आरोपी सुनील कुमार उर्फ फौजी पुत्र रोशन लाल वासी गांव खासपुर जिला कुरूक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी से एक रिवाल्वर व 6 जिंदा रौंद, पुलिस और सीआरपीएफ के फर्जी आई कार्ड तथा फर्जी पैन कार्ड बरामद किए हैं। जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मोहन लाल की टीम को सूचना मिली कि सुनील कुमार उर्फ फौजी पुत्र रोशन लाल वासी गांव खासपुर जिला कुरूक्षेत्र जो पहले सीआरपीएफ मे था और अब पिछले काफी समय से अलग अलग राज्यो मे चोरी, लूट, हत्या की वारदात को अंजाम देता है। सुनील कुमार उर्फ फौजी पर जिला हनुमानगढ राजस्थान पुलिस व अन्य कई राज्यो के द्धारा चोरी/लूट के सम्बंध मे भी ईनाम घोषित किया हुआ है। सुनील कुमार उर्फ फौजी लोडिड असला भी रखता है। सूचना पर पुलिस टीम ने पीपली बस अड्डा से थोडा आगे वेयर हाउस के सामने नाकाबंदी करके चंडीगढ अम्बाला की तरफ से पिपली-कुरूक्षेत्र की और आने वाले व्हीकलो को चैक करना शुरू किया। थोड़ी देर बाद पुलिस टीम ने सुनील कुमार उर्फ फौजी पुत्र रोशन लाल वासी गांव खासपुर को काबू किया। तलाशी लेने पर आरोपी के पर्स में रखे हरियाणा पुलिस और सीआरपीएफ के फर्जी आई कार्ड तथा पंजाब राज भवन का आई कार्ड, फर्जी पैन कार्ड तथा फर्जी इनकम टैक्स का कार्ड बरामद हुए। आरोपी की कार की तलाशी लेने पर आरोपी की कार से एक रिवाल्वर व 6 जिंदा रौंद बरामद हुए।

पांच साल में 100 वंदे भारत समेत 772 नयी रेल सेवाएं शुरू की गईं: रेल मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव नेबताया कि 2019-2020 से 2023-2024 तक भारतीय रेलवे नेटवर्क में 100 वंदे भारत सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। रेल मंत्री ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया विभिन्न वर्गों के यात्रियों की यात्रा संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए, भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे एक्सप्रेस ट्रेनें, सुपरफास्ट ट्रेनें, पैसेंजर/मेमू/डेमू ट्रेनें और उपनगरीय सेवाएं शुरू करती है और उनका संचालन करती है। भाजपा सांसद नीरज शेखर ने उनसे 2024-25 के दौरान प्रस्तावित नयी ट्रेनों की संख्या और पिछले पांच वर्षों में शुरू की गई वंदे भारत, राजधानी और अन्य ट्रेनों जैसी नई ट्रेनों की वर्षवार और क्षेत्रवार जानकारी मांगी थी। वैष्णव ने कहा, वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 की अवधि के दौरान, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर 100 वंदे भारत ट्रेनों सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। भारतीय रेलवे पर ट्रेन सेवाओं की शुरूआत एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

लोकसभा ने ओलंपिक पदक जीतने पर निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को बधाई दी

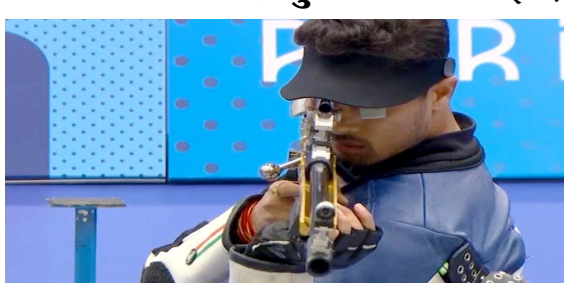

नई दिल्ली। लोकसभा ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को शुक्रवार को बधाई दी और इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में अन्य भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की कामना की। सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कुसाले की उपलब्धि का उल्लेख किया। उन्होंनेकहा, स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक 50 मीटर राइफल स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता है। यह इस ओलंपिक में भारत का तीसरा पदक है। कुसाले की यह उत्कृष्ट उपलब्धि राष्ट्रीय गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सदन कुसाले को बधाई देता है और भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन करने के लिए उन्हें शुभकमानाएं देता है। सदस्यों ने मेज थपथपाकर कुसाले की सराहना की। कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में ओलंपिक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के पेरिस ओलंपिक में कुल पदकों की संख्या तीन हो गई।

भाजपा सरकार ने कैथल हल्के में करवाए रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य : लीला राम

बोले : ड्योड खेड़ी में 2 एकड़ में बनेगा आयुष अस्पताल

कहा : भगवान परशु राम मेडिकल कॉलेज में जल्दी मिलेंगी लोगों को सुविधाएं

बोले : ड्योड खेड़ी में 2 एकड़ में बनेगा आयुष अस्पताल

ग्रामीणों का मुंह मीठा करवाते हुए विधायक लीला राम।

कैथल, अगस्त : गांव ड्योड खेड़ी में आयुष हॉस्पिटल की मंजूरी मिलने पर ग्राम ड्योड खेड़ी की पंचायत ने विधायक लीलाराम को बधाई दी। विधायक लीलाराम ने ग्राम पंचायत का मुंह मीठा करवाते हुए बताया कि गांव ड्योड खेड़ी में 2 एकड़ जमीन पर 10 बेड का जिला स्तर का आयुष हॉस्पिटल बनाया जाएगा। जिसमें आयुष के बारे में लोगों को जागरूकता मिलेगी और लोगों का उपचार भी किया जाएगा। विधायक ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी हरियाणा में रिकॉर्ड तोड़ विकास कार्य कर रही है और इसी विकास की कड़ी में कैथल जिले के लोगों की बहुत पुरानी मांग थी कि जिले में एक मेडिकल कॉलेज जरूर होना चाहिए। भाजपा सरकार ने कैथल हल्के में सांपन खेड़ी में 1000 करोड रुपए से मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो रहा है। जिस पर दिन रात काम चला हुआ है। जो जल्दी ही तैयार होकर के जनता को सौंप दिया जाएगा। विधायक लीला राम ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया है। प्रधानमंत्री की सोच थी कि हरियाणा के हर जिले में मेडिकल कॉलेज होना चाहिए। सरकार धीरे-धीरे उस काम को साकार कर रही है। आयुष्मान योजना के तहत हर गरीब परिवार को चिकित्सा सुविधाओं का फ्री में इलाज हो रहा है। विधायक ने कहा कि कैथल जिले में आने वाले समय में मेडिकल सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहेगी। गांव ड्योड खेड़ी में दो एकड़ में बनने वाले आयुष अस्पताल में बेहतरीन सुविधाएं लोगों को मिलेंगी। और गांव ड्योड खेड़ी के लोगों को रोजगार भी मिलेगा। शहर व आसपास के सभी लोगों को इस आयुष हॉस्पिटल का फायदा मिलेगा। लोग दुबारा से आयुष की तरफ आ रहे हैं। हमारे ऋषि मुनियों ने आयुर्वेद चिकित्सा में बहुत से प्रयोग किए और उनको लागू करके चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इस मौके पर रामकुमार नैन, सरपंच प्रतिनिधि राजेश नैन, मेघराज नैन, हंसराज नैन, वीरेंद्र सिंह, वकील सिंह, लोकेश कुमार भी मौजूद रहे।

सार संक्षेप

हादसे में पोते की मौत सदमे में वृद्ध ने भी दम तोड़ा

रायपुर सादातः जवान पोते की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद दादा सदमा सहन नहीं कर सके और वृद्ध दादा की भी मौत हो गई। गुरुवार को ग्राम चोहड़ पुरपुर नानू में दादा पोते के जनाजे एक साथ उठने से पूरे गांव में गम का माहौल छा गया। क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटकादर के मौजे चोहड़पुर नानू निवासी आरिफ दूधिया का पुत्र मोहम्मद कैफ उम्र करीब 25 वर्ष कल कोतवाली देहात क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने कैफ के शव को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। यह सदमा कैफ के माता-पिता तो किसी तरह सहन कर गए लेकिन कैफ के वृद्ध दादा पीर बख्श अपने पोते की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके और आज प्रात करीब चार बजे उनकी भी दुखद मृत्यु हो गई। पीरबख्श कुछ समय से बीमार चल रहे थे एक ही घर में दादा पोते मौत के बाद गांव में सन्नाटा पसर गया। बाद में नमाज जोहर एक ही घर से दादा पोते के जनाजे जब साथ उठे तो लोगों की आंखें नम थी। पूरे गांव में इन मौतों के बाद गम का माहौल छाया हुआ है। मृतक कैफ बीटेक का छात्र था।

महिला ने लगाई खो नदी में छलांग

शेरकोटः पति की कलह से तंग आकर अपने मायके पहुंची एक महिला ने मायके में भाभी से हुए झगड़े से दुखी होकर खो नदी में छलांग लगा दी। गुरुवार को दोपहर एक महिला ने जैसे ही खो नदी के पुल से नदी में छलांग लगाई तो वहां मौजूद माहेगीर बिरादरी के लोग तुरंत नाव लेकर नदी में उतर गए और बामुश्किल महिला को नदी से निकाल कर बाहर ले आये। महिला ने अपना नाम सोनम जाटव पत्नी सोमपाल निवासी अमखेड़ा बताते हुए बताया कि उसकी शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व हुई थी। पति की आदतों से तंग होकर दो दिन पूर्व अपने मायके नंगली लाडन आ गई थी। लेकिन यहां पर भाभी से झगड़ा हो जाने के कारण उसने यह सोचते हुए नदी में छलांग लगाई की न तो ससुराल में कोई उसका दर्द समझने वाला है और न ही मायके में। पुलिस द्वारा परिजनों को सूचना देने पर महिला के परिजन शेरकोट थाना पहुंचे और समझा बुझाकर महिला को आगे इस तरह की घटना ना दोहराने की हिदायत देते हुए महिला को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

लाइट बंद न करने पर हुआ पथराव, दो घायल

नूरपुरः घर के बाहर जली लाइट को लेकर एक युवक भाई बहनों के साथ गाली-गलौच एवं मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। थाना क्षेत्र के ग्राम पीपला जागीर निवासी हासिम अंसारी पूत्र नासिर हुसैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बहन शाम को छत पर थी। तभी पड़ोस का रहने वाला इब्राहिम पुत्र इलियास घर के बाहर जलती लाइट को लेकर मेरी बहन से गाली-गलौच करने लगा। जब हासिम बाहर गया तो पड़ोसी युवक उसके साथ गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर इब्राहिम, इमरान, अफजल पुत्र इल्यास व गुलफाम पुत्र कासम ने हासिम व उसकी बहन के साथ हथियार व लाठी डंडों से मारपीट की। शोर मचाने की आवाज से ग्राम वासियों को आता देख सभी लोग जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। हासिम ने बताया कि समय-समय पर ये आरोपी चापड़ से काटने की धमकी देते रहते हैं। पुलिस ने संबोधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

नूरपुरः थाना क्षेत्र के गांव पनियाला निवासी सरिता पुत्री तुलाराम ने थाने पहुंचकर मुकदमा पंजीकृत कराया। बताया कि उसका विवाह कपिल पुत्र जयप्रकाश निवासी राहु नंगली से लगभग दो वर्ष पूर्व हिंदू रीति रिवाज के अनुसार हुआ था। उसमें पिता ने हैसियत के अनुसार काफी दहेज दिया था लेकिन ससुराल वाले दहेज से खुश नहीं थे। बाद में विवाहिता के साथ मारपीट करते थे। विवाहिता ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष से ससुर जयप्रकाश, सास उषा, देवर ऋतिक, नंद कामिनी और पति कपिल दहेज की डिमांड पूरी करने के लिए आए दिन मारपीट करते रहते थे। परिजनों ने थाने पहुंचकर ससुरालयों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया। थाना प्रभारी अजीत रोरिया ने बताया कि मुकदमा दर्ज कराया।

दुग्ध अभिषेक उपरांत हुआ भोले बाबा का महा श्रृंगार एवं भजन कीर्तन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर शिवरात्रि के मौके पर भोले बाबा का दुग्ध अभिषेक के उपरांत महा श्रृंगार किया गया एवं बाहर से आई भजन मंडली द्वारा भोले बाबा के सुंदर-सुंदर भजन सुनाए गए, बताते चलें कि शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने अपने परिवार के साथ भोले बाबा को 11 किलो दूध से उनका दुग्ध अभिषेक किया एवं उन्हीं के द्वारा हर माह की भांति इस महा भी भोले बाबा का महा श्रृंगार किया गया साथ ही भजन मंडली के द्वारा भोले बाबा के एक से बढ़कर एक भजन सुनाए गए, भजन संध्या का कार्यक्रम 7 बजे से शुरू होकर देर रात्रि तक चला कार्यक्रम के अंत में प्रसाद का वितरण भी हुआ,इस मौके पर मुख्य रूप से वेद प्रकाश यादव, राजेंद्र यादव, गीता यादव, रवि यादव, जतिन यादव, सीमा यादव, विकास यादव, मनोज यादव, मोहित शर्मा, मनोज शर्मा, मयंक अग्रवाल, प्रिंस अग्रवाल, मोहित अग्रवाल एवं पंडित सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, देवेंद्र शर्मा, संजीव शर्मा, उमेश शर्मा, महेश शर्मा, दामोदर शर्मा, देवेंद्र शर्मा आदि सहित सारी संख्या में सतग्गन मौजूद रहे।

श्री कृष्ण ढोल शोभा यात्रा का इस बार और भी भव्य होगा रूप= पंकज भटनागर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को श्री राम सेवा समिति की एक बैठक जिला अध्यक्ष पंकज भटनागर के निवास स्थान पर हुई जिसमें गत वर्षो के भांति इस वर्ष भी श्री राम सेवा समिति के द्वारा ही भव्य श्री कृष्णा ढोल शोभायात्रा निकाली जाएगी ऐसा मीटिंग में तय किया, शोभा यात्रा 27 अगस्त को शिवाला मंदिर से प्रारंभ होगी, तथा 21 अगस्त से 25 अगस्त तक प्रातः 6:30 बजे नगर में रोज ठाकुर जी की प्रभात फेरी निकाली जाएगी वह शाम को 8 बजे से ठाकुर जी रोज आरती होगी, और शोभायात्रा बड़ी ही धूमधाम से अबकी बार निकल जाएगी, मीटिंग में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष पंकज भटनागर, विजय पारछा, मुकुल अग्रवाल, बबलू पाल, आकाश अग्रवाल, आयुष रस्तोगी, जतिन गुर्जर, विनीत कुमार, मोहित सुशील अग्रवाल, गौरव वर्मा, राहुल गुप्ता, पवन चौहान, प्रखर अग्रवाल, सोनू सैनी, पंकज अग्रवाल, पंकज महेश्वरी, संजीव शर्मा, नितिन अग्रवाल आदि सहित श्री राम सेवा समिति के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंगोत्री से द्वितीय डाक कांवड़ लेकर पहुंचे कावड़ीयों का पालिका अध्यक्ष ने किया स्वागत

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को नगर के शिव भक्तों द्वारा गंगोत्री से जल लाकर भोले बाबा को अर्पित किया गया, बताते चलें कि उत्तराखंड स्थित तीर्थ धाम गंगोत्री से हसनपुर के शिव भक्तों ने डाक कांवड़ द्वारा जल लाकर भोले बाबा को अर्पित किया, इस मौके पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने सुपर फास्ट डाक कावड़ लाने वाले शिव भक्तों का फूल माला पहनकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया,डाक कांवड़ में दर्जनों नगर के युवा सम्मिलित रहे, नगर के युवाओं का एक सामूह पिछले दो वर्षों से लगातार भोले बाबा को सावन माह में जल अर्पित करने के लिए गंगोत्री धाम जाता है समूह के लोग एक वाहन में सवार होकर जाते हैं तथा वहां से जल भर के दौड़ते हुए पैदल पैदल चलकर हसनपुर नगर स्थित झारखंड महादेव शिवाला मंदिर में भोले बाबा को जल अर्पित करते हैं बताया जाता है कि गंगोत्री से हसनपुर तक की पैदल यात्रा लगभग 400 किलो मीटर है, जिसे यह युवाओं का समूह दौड़-दौड़ कर पैदल ही भोले बाबा की जयकारे लगता हुआ पूरा कर लेता है और बिना रुके भोले बाबा को यह डाक कावड़ के द्वारा युवाओं का समूह जल अर्पित कर भोले बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करता है, डाक कांवड़ लाने वालों में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र यादव उर्फ धीरूभाई, अनमोल अग्रवाल, संजू यादव, सागर यादव, पल्लवी यादव, निखिल यादव, अभिषेक यादव, देवांशी यादव, विनोद यादव, पप्पू सैनी, चंचल यादव, राहुल यादव, हिमांशु यादव, अजय राजपूत, पवन वर्मा, अजय यादव, सुमित यादव, मयंक यादव आदि सहित दर्जनों युवा सम्मिलित रहे।

पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, तीन चोर गिरफ्तार

चांदपुर

स्थानीय पुलिस ने महबुल्लापुर ढाकी में चोरी का खुलासा करते हुए तीन आरोपी को सामान सहित गिरफ्तार कर लिया। तीनो चोरों को न्यायालय में पेश किया। थाना क्षेत्र के गांव महबुल्लापुर ढाकी निवासी बुद्ध सिंह पुत्र हरकृष्ण ने थाने में कराई रिपोर्ट दर्ज में बताया कि 26/27 जुलाई की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा घर से आभूषण तथा नगदी चोरी कर ली थी। पुलिस ने चोर राजेन्द्र सैनी पुत्र स्व० चतर सिंह , हरिओम उर्फ छोटू पुत्र सोहन सैनी, सद्दाम पुत्र दिलशाद विजय कॉलोनी बास्टा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चोरों के पास से सफेद धातु की दो अंगुठी, तीन पाजेब व 2,010 रुपये बरामद किये गये। एक चोर सुन्दर की शीघ्र गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। पूछताछ में बताया कि यह सामान जेवर व नकद धनराशी दिनांक 26/27 जुलाई की रात्रि को हमने विजय कॉलोनी, बास्टा में एक घर से चोरी किये थे। शेष जेवर व नकद धनराशी हमारे चौथे साथी सुन्दर के पास है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश बैसला ने तीन आरोपियो को पकड़ने की पुष्टि की है। शेष एक आरोपी की तलाश की जा रही है।

बृजघाट से जल लाकर भोले बाबा को किया अर्पित

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को नगर में भोले बाबा को जल अर्पित करने वालों का सिलसिला जारी रहा जिसमें नगर के लोगों द्वारा बृजघाट से पैदल जल भोले बाबा को लाकर अर्पित किया गया, बताते चलें कि युवाओं का एक जत्था बृजघाट से जल लेने के लिए गुरुवार को देर शाम गया था जो शुक्रवार की सुबह 5 बजे ब्रज घाट जीरो मार्ग से होता हुआ सुबह 9 बजे हसनपुर स्थित झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर पहुंचा और शिवाला मंदिर पर पहुंचकर अपने आराध्य देव भोले बाबा को सभी ने अपनी अपनी जलांजलि से भोले बाबा को जल अर्पित किया, इस मौके पर जल भर कर लाने वालों में मुख्य रूप से गुरु गिरजा शंकर बंसल, सुशील सक्सेना, अशोक सक्सेना, रामपाल प्रजापति, कमल अग्रवाल आदि सहित दर्जनों शिव भक्त सम्मिलित रहे।

शिवतेरस पर हर हर महादेव के नारों से गूंज उठा शहर

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हरिद्वार एवं बृजघाट से जल लेकर आए शिव भक्तों द्वारा बाबा भोलेनाथ को जल अर्पित किया गया, बताते चलें कि शिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर एवं देहात क्षेत्र के सभी मंदिरों पर भोले बाबा को जल अर्पित किया गया, भोले बाबा के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया, नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर पर सुबह से ही भक्तों की लंबी कतार हाथों में जल लेकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए नजर आई, इस बीच पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं व्यापारी मुकेश गोयल अंकुर अग्रवाल आदि ने भी भोले बाबा को जल अर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया, उधर नगर पालिका द्वारा नगर के सभी मंदिरों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था की गई एवं चूने का छिड़काव कराया गया, सुरक्षा की दृष्टि से वरिष्ठ सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार गोला भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश के कारण डूबा भोगपुर

अचानक पानी के गांव में आने मचा हाहाकार

लेखपाल और पुलिस ने मौके पर पहुंच कर किया सहयोग

बढ़ापुर

मैदानी सहित पहाड़ी इलाकों में हुई मूसलाधार वर्षा के कारण बरसाती नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण थाना क्षेत्र के गांव भोगपुर में पानी भर गया जिसके चलते हुए ग्रामीणों में कोहराम मच गया।

देर रात सूचना पर राजस्व प्रशासन की ओर से लेखपाल एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचे तथा देर रात पानी कम होने के बाद प्रशासनिक अमल ने राहत की सांस ली। वर्षा के लिए तरस रहे बढ़ापुर क्षेत्र में बुधवार को मौसम ने करवट ली और मूसलाधार बारिश से मौसम खुशगवार तो हुआ परंतु मैदानी सहित पहाड़ी इलाकों में हुई इस मूसलाधार वर्षा ने जहां एक और कुछ लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी वहीं दूसरी और मूसलाधार बारिश ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भोगपुर में कोहराम मचा कर रख दिया। बताया जाता है कि गांव भोगपुर के समीप बहने वाली बरसाती नदी कीकरी व किलावली नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि दोनों नदियों के पानी से पूरा गांव जलमग्न हो गया अचानक गांव में पानी घुसने से पूरे गांव में कोहराम मच गया। आनन फानन में लोग अपने पशुओं व सामान के साथ उचित स्थान की ओर निकलने लगे। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि पानी की जद में आए करीब 10 घरों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया तथा घटना की सूचना तहसील प्रशासन सहित बढ़ापुर पुलिस को दिए जाने के बाद हल्का लेखपाल बेनीराम सिंह व बढ़ापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों का सहयोग किया। बताते चलें कि पानी की जद में आये घर नदी के समीप होने के चलते हर वर्ष काफी नुकसान झेलते हैं। हल्का लेखपाल बेनी राम सिंह द्वारा बताया गया की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचने के साथ ही लोगों को सहयोग कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हो पाई है स्थिति कंट्रोल में होने के चलते देर रात पानी गांव से समाप्त हो चुका था जिसके पश्चात टीम वापस लौट गई थी। थाना बढ़ापुर पुलिस द्वारा बताया गया की सूचना मिलने पर तत्काल टीम को मौके पर भेज कर उचित प्रबंध कराए गए हैं साथ ही लोगों को गहरे स्थान पर ना रहने की चेतावनी दी गई है।

बारिश से छत का मलबा गिरने से दो बच्चे घायल

शेरकोटः कमरे में सो रहे बच्चों के ऊपर अचानक बारिश से छत का मलबा गिरने से घायल बच्चों के चीख-पुकार मच गई। दौड़े ग्रामीणों ने बच्चों को काफी मशक्त के बाद बहार निकाल कर उन्हें धामपुर अस्पताल भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम बाजिदपुर निवासी विकलांग करीम ने बताया कि बुद्वार रात्रि अपनी दो लड़की छह वर्षीय इसरा व चार वर्षीय माहिरा के साथ कमरे में सो रहा था। बारिश होने की आवाज सुनकर करीम कमरे से जैसे ही बहार निकला तो अचानक छत का मलबा दोनों बच्चों के ऊपर आकर गिर जाने से बच्चे छत से गिरे मलबे में दब जाने से बच्चों की चीख निकल गई। चीख पुकार सुनकर करीम ने भी शोर मचाना शुरू कर दिया। चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुँच गये और बा मुश्किल बच्चों को बहार निकाल कर उनकी जान बचाई। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बच्चों की हालत सही बताई जा रही है। जर्जर हालत के मकान के कमरे में रह रहे विकलांग व्यक्ति ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

कांग्रेस नेता महाराष्ट्र पुलिस के आने से पहले हुआ फरार

शेरकोट,

नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी कॉंग्रेस नेता हुसैन अंसारी की गिरफ्तारी को महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय पुलिस के साथ आरोपी के घर दबिश दी। लेकिन आरोपी फरार हो गया। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पूर्व मुम्बई के सोतारा निवासी एक किशोरी के पिता ने नगर के मोहल्ला शेखान निवासी हुसैन अहमद के विरुद्ध मुम्बई थाने में उसकी नाबालिक पुत्री के साथ दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुम्बई पुलिस के एसआई मंगलवार को शेरकोट पहुंचे और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी के घर दबिश दी। लेकिन आरोपी घर से फरार हो गया। बताया जाता है कि आरोपी कॉंग्रेस के टिकट पर तीन बार बढ़ापुर विधानसभा से विधायकी का चुनाव लड़ चुका है। लेकिन हर बार असफल रहा। थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महाराष्ट्र पुलिस नाबालिक के साथ रेप किये जाने के आरोपी हुसैन अंसारी की गिरफ्तारी के लिए आई थी।

अपशब्द कहने वाला नेता पहुंचा सलाखों के पीछे

किसान नेता का आडियो हुआ था वायरल

नहटौर

एक किसान नेता द्वारा किसान यूनियन व जाटों को अपशब्द कहने की आडियो वायरल होने के बाद मामले से एक किसान यूनियन ने पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने अपशब्द कहने वाले व्यक्ति को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी।

एक सप्ताह पूर्व एक ऑडियो वायरल हुई थी। इसमें एक व्यक्ति किसी से बात करते हुए जाटों व किसान यूनियन को अपशब्द कह रहा है। आडियो वायरल होने के बाद भारतीय किसान यूनियन टिकैत संगठन में रोष व्याप्त हो गया। इस पर मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशाल डबास, पुनीत, तुषार, विकास कुमार, कुलदीप सिंह, वरुण कुमार, महिपाल सिंह, विमल कुमार आदि दर्जनों भाकियू के कार्यकर्ता थाने पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। आरोपी को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम सलीम गांव अलीनगर नहटौर बताया है। कोतवाल धर्मेन्द्र सोलंकी ने बताया कि आरोपी सलीम को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

मुरादाबाद डीआईजी ने लिया कांवड़ यात्रा का जायजा

नजीबाबाद थाने का किया औचक निरीक्षण, पुलिस को दिए कांवड़ यात्रा से संबंधित दिशा-निर्देश

नजीबाबाद

डीआईजी मुनिराज ने श्रावण माह एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत नजीबाबाद और मंडावली थाना क्षेत्रान्तर्गत कांवड यात्रा मार्गों का भ्रमण व निरीक्षण किया। उन्होंने मंडावली थाने के अंतर्गत मोटा महादेव मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिस को कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न कराने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

लिस उप महानिरीक्षक परिक्षेत्र मुरादाबाद मुनिराज ने मोटा महादेव मंदिर परिसर में कांवड़ियों का हालचाल जाना साथ ही मंदिर के पुजारी शशिनाथ से भी बातचीत की, उन्होंने पुलिस को कांवड़ मार्गों पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और सीओ नजीबाबाद देश दीपक सिंह, थाना प्रभारी नजीबाबाद संजय कुमार, मंडावली थाना प्रभारी विकास कुमार सहित जनपद बिजनौर के अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

उधर, देर शाम पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज ने एसपी बिजनौर अभिषेक झा के साथ थाना नजीबाबाद का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय के अभिलेखों, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्पडेस्क, सीसीटीएनएस कक्ष, मैस, हवालात, बैरिक आदि को चैक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने थाने में खड़े पुराने वाहनों के संबंध में भी जानकारी करते हुए नीलामी सहित आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये। वही डीआईजी मुनिराज के निरीक्षण के दौरान पुलिस विभाग में हड़कंप मचा रहा। इस मौके पर सीओ देश दीपक सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर के अलावा थाने का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

दहेज उत्पीड़न में ससुराल वालों पर मुकदमा दर्ज

नूरपुरः नूरपुर मोहल्ला हजरत नगर निवासी एक महिला ने थाने में अभियोग पंजीकृत कराया कि उसका विवाह 26 जून 2019 को मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार कामिल मंसूरी पुत्र शाहरून मंसूरी निवासी लोनी गाजियाबाद के साथ हुआ था। इसमें महिला के पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार काफी दान दहेज दिया था। आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही जेठ शाहनवाज उर्फ बब्बू उसकी पत्नी नंद रेशमा दहेज से नाखुश थे जो बार-बार दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। दहेज में फॉर्च्यूनर कार की डिमांड करते थे। दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला के साथ बार-बार मारपीट करना और कई बार घर से निकाल देना उनकी आदत में शामिल हो चुका था। इतना ही नहीं जेठ शाहनवाज उर्फ बब्बू की पत्नी चार वर्ष पूर्व महिला का गर्भपात भी कराया था। वह नहीं चाहती थी कि कोई औलाद पैदा हो। महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद भी उसे दोबारा गर्भाधारण हुआ लेकिन लोगों ने चोरी से एक अस्पताल में ले जाकर उसका भी गर्भपात करा दिया। मामले में मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि थाना प्रभारी अजीत

हरियाणा

सार संक्षेप

जिले में धूमधाम से मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते उपायुक्त प्रदीप दहिया।

हिसार : उपायुक्त प्रदीप दहिया ने जिला मुख्यालय पर 15 अगस्त का जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य व गरिमामयी ढंग से देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ मनाने के लिए वीरवार को अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश के राष्ट्रीय पर्व में गरिमामयी उत्कृष्ट व बेहतरीन कार्यक्रमों का चयन किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम देशभक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना से ओतप्रोत होने के साथ-साथ प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हों। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं समन्वय से पूर्ण करते हुए स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए पूरी की जाएं। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि समारोह में शिक्षण संस्थाओं के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, साज-सज्जा, स्वागत गेट, आसपास की सडकों की मरम्मत, स्टेज प्रबंधन, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आयोजन से पूर्व शहर के सभी चौक चौराहों की सफाई करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में सरकारी विभागों के सभी कार्यालय अध्यक्ष स्वयं उपस्थित रहेंगे।

शहर में ट्रालों की एंट्री से यातायात जाम की बढ़ी समस्या, दुकानदार परेशान

शहर के बीच के गुजरता ओवरलोड ट्राला।

नांगल चौधरी : शहर में भारी वाहनों की एंट्री पर प्रतिबद लगा हुआ है। बावजूद ओवर लोड वाहनों का आवागमन बढ गया, जिस कारण यातायात जाम की समस्या बढ गई। परेशान दुकानदारों ने जिला पुलिस अधीक्षक से ओवरलोड ट्रालों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। राजू किलानिया, विनोद कुमार, राजेश कुमार, ललित सिंह, बिक्र म सिंह ने बताया कि शहर में यातायात की समस्या बढने पर बाइपास का निर्माण कराया गया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने ट्राले, डंपर व भारी वाहनों की शहर में प्रवेश पर रोक लगा दी। क्योंकि सडक पर स्कूल वाहन, विद्यार्थी व छोटे वाहनों की भीड रहती है। ओवरलोड वाहनों से पत्थर गिरने से कई राहगीर घायल हो चुके हैं। शिकायत मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक ने भारी वाहनों को बाइपास से इधर-उधर निकालने के निर्देश दिए थे। लेकिन बीते 15/20 दिनों से ट्राले व डंपरों ने दुबारा शहर में एंट्री करना शुरू कर दिया है। अधिकतर ट्रालों की लंबाई 40 फीट होती है, जिनकी अस्थाई बस स्टैंड से निजामपुर मोड पर कटाई नहीं होती। चालक को बार-बार आगे व पीछे करना पडता है, जिस कारण यातायात जाम की समस्या बनी रहती है। इस दौरान डंपर प्रेशर हार्न बजाते हैं, जिससे दुकानदारों की समस्या बढ गई। उन्होंने बताया कि कई वाहन भिन्न-भिन्न प्रकार के हॉर्न बजाते हैं, जिससे ग्राहकों से बात करना भी संभव नहीं होता। समस्या से थाना इंचार्ज को कई बार अवगत करवा दिया, बावजूद उन्होंने समाधान नहीं किया। जिससे गुस्साए व्यापारियों ने खंड मुखियालय पर धरने-प्रदर्शन का अल्टीमेटम दिया है।

महापंचायत में नहीं हुआ किसी के नाम पर फैसला

महापंचायत में हुए फैसले को सुनाते हुए वक्ता।

उचाना : विस चुनाव से पहले राजनीति सरगर्मी शुरू हो चुका है। उपमंडल धरना कमेटी द्वारा उपमंडल कार्यालय में पंचायती उम्मीदवार का नाम चुनने के लिए हुई महापंचायत में कोई फैसला नहीं हुआ। वक्ताओं ने कहा कि हलके में 66 गांव उचाना मंडी सहित आते है। महापंचायत में 37 गांव के ग्रामीण पहुंचे है। जब तक सभी गांव से लोग नहीं आते फैसला नहीं हो सकता है। अब सभी गांव-गांव जाकर लोगों को भविष्य में होने वाली महापंचायत के निमंत्रण दिया जाएगा। 37 सदस्यों को को कमेटी में शामिल किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 1977 में उचाना हलका बना था। तब से लेकर आज तक सिर्फ उचाना का मतदाता वोट लेने के लिए याद आता है। चुनाव जीतने के बाद यहां के लोगों की कोई सुध नहीं ली जाती है। इस बार महापंचायत करके सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुना जाएगा। इस उम्मीदवार की जीत के लिए हलके के हर गांव-गांव टीम बना कर जाएंगे। इस बार हलके में बड़ा बदलाव होगा। आज उचाना हलका विकास, रोजगार के मामले में पीछे है। यहां पर नाम तो बड़े है लेकिन काम दिखाई नहीं देते है। आज तक कोई बड़ा उद्योग यहां नहीं लगा है। सरकारी कॉलेज, खेल स्टेडियम, नागरिक अस्पताल में डॉक्टर तक नहीं है। किसानों को नहरी पानी तक पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है। इस बार लोग बदलाव का मन बना चुके है। पंचायती उम्मीदवार का सर्वसम्मति से सभी गांवों के लोग मिलकर नाम तय करेंगे। मंच संचालन सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक रामदास डाहोला ने किया। इस मौके पर आजाद पालवां, सिक्कम सफा खेड़ी, सूरजमल खटकड़, फकीर शर्मा, सूरजा, हवा सिंह, जयपाल, प्रेम, रामफल, रामनिवास, टेकराम, नेतराम, जंगीर, शीला, महीपाल, डॉ. वीरेंद्र, पप्पू बड़ौदा, राजा अलेवा, हकुम सिंह, ईश्वर मौजूद रहे।

शिवरात्रि के पर्व को देखते हुए झज्जर पुलिस ने जिले में लगाए 17 पुलिस के नाके,मंदिरों में भी पुलिस कर्मचारी किए गए तैनात

झज्जर : शिवरात्रि के पावन पर्व को देखते हुए झज्जर पुलिस प्रशासन द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं द्य कावड़ियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े इसलिए झज्जर के पुलिस कमिश्नर सतीश बालन के दिशा निर्देश अनुसार जिलेभर में 17 पुलिस के नाके लगाए गए हैं ताकि कावड़ियों की यात्रा सरल व सुगम हो जिससे वह समय अनुसार अपने गंतव्य तक पहुंच सके। कावड़ यात्रा के दौरान शिव भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए पुलिस की राइडर पीसीआर भी लगातार ग्रस्त कर रही हैं द्य डाक कावड़ यात्रा को लेकर छारा टोल प्लाजा से लेकर झज्जर शहर तक झज्जर सांपला मार्ग को वनवे किया गया है ताकि डाक कावड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो और वह समय अनुसार निर्धारित स्थान तक पहुंच सके द्य झज्जर पुलिस द्वारा कावड़ यात्रा को देखते हुए छारा से लेकर झज्जर तक बनाए गए वनवे रोड पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स के साथ एसीपी अखिल कुमार को तैनात किया।

एनएचएम योजना के तहत किसानों को मिलेगी सब्सिडी-उपनिदेशक उद्यान

डिप्टी ब्यूरो दलजीत कुमार बिट्टू

फाइल फोटो श्री तजिंदर सिंह संधू उप निदेशक बागवानी

अमृतसर 2 अगस्तः बागवानी मंत्री पंजाब श्री. चेतन सिंह जोरा माजरा जी द्वारा दिये गये दिशा निर्देश और श्रीमती सलिन्दर कौर प्रथम। एफ। एस। डायरेक्टर हॉर्टिकल्चर पंजाब के निदेर्शानुसार अधिक से अधिक जमींदारों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके तहत विभाग को मकान मालिकों के लिए कई योजनाएं चलानी चाहिए रहा मुख्य रूप से एनएचएम योजना के तहत नए बगीचे लगाने के लिए 19000/- रुपये प्रति हेक्टेयर , पुराने बगीचों को पुनर्जीवित करने के लिए 20000/- रुपये प्रति हेक्टेयर , फूलों के रोपण के लिए 16000/- रुपये प्रति हेक्टेयर , पॉली हाउस के लिए 18 रुपये प्रति हेक्टेयर। - प्रति एकड़ , शेड नेट हाउस के लिए 14,20,000/- रुपये प्रति एकड़ , वर्मीकम्पोस्ट यूनिट के लिए 50000 /- रुपये, मधुमक्खियों के 8 फ्रेम सहित मधुमक्खी पालन के लिए 1600/- रुपये प्रति बॉक्स , मशरूम की खेती के लिए 8 लाख प्रति यूनिट , मशरूम बीज तैयार करने के लिए, 6 लाख प्रति यूनिट , खाद बनाने के लिए। प्रति यूनिट 8 लाख रुपये , ट्रैक्टर 20 एचपी , पावर टिलर , स्प्रे पंप जैसी मशीनरी पर 40% सब्सिडी । संकर सब्जियों की खेती और प्रति हैक रु. 20,000/-। सब्सिडी , कटाई के बाद बगीचे और सब्जियों के रख-रखाव और पैकिंग के लिए पैक हाउस के निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की सब्सिडी , कोल्ड स्टोर और राइपनिंग चैंबर के निर्माण के लिए 35% सब्सिडी। सब्सिडी दी जा रही है. श्री तजिंदर सिंह संधू उप निदेशक बागवानी अमृतसर ने कहा कि इन मौजूदा योजनाओं के अलावा, सरकार द्वारा कुछ नई योजनाएं शुरू की गई हैं जिनमें मकान मालिक सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। कर सकना उन्होंने कहा कि बगीचों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए माली को हटा दें सिंचाई के अंतर्गत नये उद्यान रोपण पर प्रति एकड़ 10000 रु के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जायेगी वे विशेष रूप से बताया कि अलग-अलग बागवान योजनाओं के तहत सब्सिडी लेने पर भी यह प्रोत्साहन का लाभ उठा सकते हैं और प्रोत्साहन के लिए नए वृक्षारोपण के तहत क्षेत्र पर कोई अधिकतम सीमा नहीं रखी गई है। दूसरी नई योजना की जानकारी उन्होंने देते हुए कहा कि जमींदारों द्वारा संरक्षित कृषि के अंतर्गत पोली हाउस का उच्च मूल्य था सब्जियों या फूलों की खेती की जा रही है और वे उन्होंने कहा , पॉली हाउस की शीट फट गई है और यह चार साल से अधिक पुरानी है शीट बदलने पर मकान मालिकों को 50 प्रतिशत सब्सिडी जारी की जाएगी । वे आगे कहा कि सरकार से फल और सब्जियाँ मार्केटिंग के लिए भी जमींदारों बक्सों को पर 50 प्रतिशत सब्सिडी योजना नई है शुरू कर दी गई अगली योजना फूलों के बारे में बताई गई बीज उत्पादन के लिए विभाग द्वारा किसानों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है प्रति एकड़ 14000 रुपये के हिसाब से सब्सिडी मिलती है. वे किसानों इसकी अपील की इन ताकि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा सके बागवानी क्षेत्र के बगल में ले जाया जा सकता है इन योजनाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया जिला बागवानी कार्यालय के सहायक निदेशक बागवानी श्री जसपाल सिंह ढिल्लों या ब्लॉकों के संबंधित बागवानी विकास अधिकारियों से समन्वय करें।

जानिए सावन माह में कौन सा रुद्राक्ष धारण कर ने से क्या होगा लाभ डॉ0 सोनिका जैन

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

देवों के देव महादेव के प्रिय सावन माह के प्रत्येक दिन को भोलेनाथ की पूजा के लिए शुभ माना गया है। सावन में चातुर्मास होने के कारण पूरी सृष्टि का संचालन शिव जी के हाथों में होता है। ऐसे में शिव जी की पूजा अर्चना करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। इस दौरान रुद्राक्ष धारण करने से शिव जी की विशेष कृपा बनी रहती है। धार्मिक ग्रंथों में रुद्राक्ष को शिव जी का ही स्वरूप माना गया है। कहा जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से इंसान को मानसिक रूप से शांति मिलती है। साथ ही शारीरिक परेशानियां भी दूर होती हैं। वैसे तो रुद्राक्ष को धारण करने के लिए पूर्णिमा, अमावस्या और सोमवार का दिन श्रेष्ठ माना जाता है। लेकिन सावन में इसे पहनना और भी शुभ होता है इस पवित्र माह में रुद्राक्ष धारण करने से शिव कृपा प्राप्त होती है और व्यक्ति को विभिन्न लाभ प्राप्त होते हैं।

कैबिनेट मंत्री ईटीओ से तहसील कार्यालय एवं सेवा केन्द्र चेकिंग

>> टोकन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए

>> सेवा केंद्र पर अपना कार्य कराने आई महिला को आर्थिक सहायता

तहसील कार्यालय व सेवा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ। डिप्टी कमिश्नर श्री घनशाम थोरी उनके साथ हैं।

ब्यूरो चीफ राजिंदर कुमार

अमृतसर, 2 अगस्तः – आज श्री हरभजन सिंह ईटीओ बिजली और लोक निर्माण मंत्री पंजाब ने तहसील अमृतसर और सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर अपनी ड्यूटी पर उपस्थित हों और काम करवाने आए लोगों को परेशान न करें यह गंदा हो जाता है. इस अवसर पर श्री ईटीओ ने लोगों की समस्याएं भी सुनीं. लोगों ने देखा कि टोकन मिलने में दिक्कत हो रही है और इसमें पूरी पारदर्शिता नहीं है, कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिया कि टोकन सिस्टम को पूरी तरह से पारदर्शी बनाया जाए और सामने खड़े व्यक्ति के नाम पर ही टोकन दिया जाए. । जाना कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तहसीलों में काम कराने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग सुबह-सुबह अपना काम करवाने के लिए आते हैं और उनका काम समय पर होना चाहिए ताकि वे अपने अन्य काम भी कर सकें। सर्विस सेंटर की चेकिंग के दौरान कैबिनेट मंत्री श्री हरभजन सिंह की मुलाकात व्हील चेयर पर बैठी एक बुजुर्ग मां और उनके साथ चल रही महिला से हुई। महिला ने बताया कि वह अपनी मां की पेंशन के संबंध में सेवा केंद्र पर आई है। उन्होंने बताया कि वे पांच बहनें और एक भाई हैं। उनके भाई ने मां को घर से निकाल दिया है और ये मां फिलहाल मेरे साथ ही रह रही हैं. मेरी अपनी बेटियाँ हैं और मुझे वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। यह सुनने के बाद कैबिनेट मंत्री ने डीसी साहब को तुरंत इसका समाधान करने को कहा , जिन्होंने अपने कोटे से 36 हजार रुपये ले लिए, जो उनके घर का छह महीने का किराया था . उन्होंने इसे मौके पर ही दे दिया. कैबिनेट मंत्री श्री ईटीओ ने उसी समय उपायुक्त कार्यालय में संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाया और कहा कि उनकी मां की पेंशन तुरंत लगाई जाए। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर श्री घनशाम थोरी , एसडीएम मनकंवल सिंह चहल , इस दौरान तहसीलदार अमरजीत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

विधायक राजेंद्र जून ने लोवा खुर्द में रिबन काटकर किया 21 लाख से बनी गलियों का उद्घाटन

नवनिर्मित गलियों का रिबन काटकर उद्घाटन करते हुए विधायक राजेंद्र सिंह जून।

बहादुरगढ, अगस्त : कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह जून ने वीरवार को गांव लोवा खुर्द में 21 लाख रु पए की धनराशि से बनी गलियों का रिबन काटकर उद्घाटन किया। विधायक आदर्श विकास योजना के अंतर्गत गांव में 21 लाख रु पए की धनराशि से तीन गलियां बनी है। गलियों का उद्घाटन करने पहुंचे विधायक राजेंद्र सिंह जून का ग्राम वासियों ने फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया तथा गांव के बुजुर्गों ने हलके की चौथी बार सेवा करने का आशीर्वाद दिया। गांव में 21 लाख रु पए की धनराशि से बनी गलियों का उद्घाटन करते हुए विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि इन गलियों का निर्माण होने से यहां से आवागमन करने के लिए ग्राम वासियों को बेहतर सुविधा होगी। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र सिंह जून ने कहा कि कांग्रेस की हुड्डा सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान बहादुरगढ़ हलका विकास की ओर तेज गति से अग्रसर था मगर 2014 से 2019 तक भाजपा विधायक रहे नरेश कौशिक के कार्यकाल में बहादुरगढ़ हलका विकास कार्यों में पिछड गया।

भाजपा सरकार ने 2019 से 2024 तक भी विकास कार्यों में बहादुरगढ़ हलके की पूर्ण रूप से अपेक्षा की है । भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे भेदभाव के कारण हलके में छोटे-मोटे ही विकास कार्य हो पा रहे हैं जिससे साफ पता चलता है कि भाजपा सरकार पूर्ण रूप से बहादुरगढ़ हलके की उपेक्षा कर रही है। इस अवसर पर ग्राम सरपंच विनोद जून ,ब्लॉक समिति मेंबर जसबीर जून , यश जून, बिट्टू जून, धर्मबीर जून, महताब जून,केवल जून,मेहर सिंह,ओमप्रकाश, करतार सिंह सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

झज्जर में भारी बारिश होने की वजह से गिरी मकान की छत

घर की छत गिर हुई जयपाल घर की छत दिखाते हुए।

झज्जर, अगस्त : झज्जर में बीती रात अचानक एक घर की छत गिर गई गनीमत यह रही की पूरा परिवार बच गया , यह बहुत बड़ा हादसा हो सकता था, परिवार सोया हुआ था अचानक राजपाल की आँखे खुल गई, फिर भी मां बेटी को घर की छत गिरने से चोटें आई हैं। मकान मालिक जयपाल ने बताया कि हमें पहले से ही अंदेशा था, कि हमारा घर ज्यादा बारिश में गिर सकता है इसलिए पूरा परिवार सदमे से गुजर रहा था, और पूरे परिवार को नींद नहीं आ रही थी, तभी अचानक रात के 12:00 बजे तेज बारिश के कारण घर की छत धड़ाम से गिर गई , घर के सभी परिवार के सदस्यों की बिछी खाटों पर छत आ गिरी । और हाहाकार मच गया ,शोर शराबा सुनकर पड़ोस के लोग जागे और बचाव के लिए वहां पर इक्ट्ठा हो गए । बच्ची को हाथ की कोहानी पर पत्थर की सील लगने से ज्यादा चोट आई है तभी उसको हॉस्पिटल्स में ले जाया गया। अब बच्ची सुरिक्षत है। आपको बता दें कि जयपाल पुत्र आनंद बाल्मिकी कन्नूगो मोहल्ला, 2 नंबर स्कूल के पास वार्ड नंबर 8 में यह हादसा हुआ है। जयपाल ने बताया खबर छपने तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी या राजनीतिक व्यक्ति उस परिवार की मदद के लिए आगे नहीं आया है। जयपाल मकान मालिक ने बताया कि उसका लड़का पिछले वर्ष इन्हीं दिनों में हरिद्वार से कावड़ लेकर आ रहा था, झज्जर में ही अचानक अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जयपाल ने बताया कि उसका छोटा बेटा भी उसके साथ था ,लेकिन उस हादसे को देखकर वह पागल हो गया। अब बेचारा जयपाल क्या करें। एक बेटा हादसे में मर गया ! दूसरा पागल हो गया ,और कोई कमाने वाला परिवार में है नहीं, जयपाल ने बताया कि वह खुद हैंडिकैप्ड है और उसकी पत्नी की बाईपास सर्जरी हो चुकी है लेकिन आज तक प्रशासनिक अधिकारी या राजनीतिक नेता या वार्ड मेंबर ने भी किसी तरह की कोई मदद नहीं की है जबकि सरकार ने रोड एक्सीडेंट का क्लेम?200000 कर रखा है लेकिन उसको आज तक इस तरहं की कोई सहायता सरकार से नहीं मिली है। जयपाल से पूछने पर बताया कि जयपाल का राशनकार्ड बीपीएल है और इन्होंने तहसील के चक्कर काटते काटते 2 साल होने को आ गए हैं लेकिन इनका आज तक सरकार की तरफ से मकान बनाने में कोई मदद नहीं मिली है। जयपाल ने बताया कि उसने शौचालय के भी कई बार फॉर्म भरे हैं और मकान बनाने के लिए भी कई बार अप्लाई किया है लेकिन किन कारणों से उनके फार्म कैंसिल हो जाते हैं उसे इस बात का कोई पता नहीं ।अब जयपाल का कहना है कि मेरी सरकार से गुजारिश है कि मैं हैंडिकैप्ड व्यक्ति हूं और मेरी 52 वर्ष की उम्र हो चुकी है मैं अपने परिवार का पालन पोषण करने में असमर्थ हूं सरकार मेरी हर संभव मदद करें।

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने श्रेष्ठ एसएमसी, स्टार टीचर्स व मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जीवन में विचारों का मैनेजमेंट ही सफलता का आधार, अध्यापक छात्रों को विचारों के मैनेजमेंट की कला में करें निपुण : ओपी धनखड़

झज्जर, अगस्त : हरियाणा सरकार में शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में पच्चीस लाख से ज्यादा विद्यार्थी संस्कारमय शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सरकार का निरंतर प्रयास है कि सभी विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा देकर उनका सर्वांगीण विकास किया जाए और उनके भविष्य को संवारा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी) विद्यालयों की कार्यप्रणाली में अहम भूमिका रखती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 48 घंटे के अंदर साढ़े सात हजार अध्यापकों को नियुक्तियां देने का बड़ा कार्य किया है। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा बुधवार को स्थानीय नेहरू राजकीय पीजी कॉलेज में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण एवं सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्र म का विधिवत शुभारंभ किया।

पूर्व कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। कॉलेज प्रांगण पहुंचते ही दोनों अतिथियों ने डीसी कैप्टन शिक्त सिंह, एडीसी सलोनी शर्मा व शिक्षा अधिकारियों के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए शानदार मॉडल देखकर शिक्षा मंत्री ने उनकी व अध्यापकों की तारीफ की। कार्यक्र म में निपुण प्रदर्शनी, सर्वश्रेष्ठ स्कूल प्रबंधन समितियों, स्टार टीचर्स तथा मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान मुख्य आकर्षण रहा।

एसएमसी विद्यालय के सर्वांगीण विकास की अहम कड़ी : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री ने एसएमसी सदस्यों के साथ विशेष तौर पर बातचीत करते हुए स्कूल मैनेजमेंट के बारे पूछा। एसएमसी सदस्यों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में शिक्षा के स्तर सुधारने व छात्रों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अच्छा कार्य किया जा रहा है जो सराहनीय है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 22 जिलों में जिला स्तरीय स्कूल प्रबंधन समितियों के प्रशिक्षण के कार्यक्र म आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत एमएससी बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी एसएमसी सदस्य को स्कूल से संबंधित कोई समस्या है तो वह उनसे मिलने चंडीगढ़ आ सकते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि एमएससी सदस्य खासतौर पर महिलाएं दो-दो के समूह बनाकर सरकारी विद्यालयों में लंच टाइम से पहले और लंच टाइम के बाद तक दो घंटे का समय जरूर निकालें और इस दौरान स्कूलों में विद्यार्थियों को दिए जा रहे मिड-डे मील की गुणवत्ता की भी जांच करें। उन्होंने कहा कि एसएमसी सदस्यों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि एसएमसी विद्यालय के सर्वांगीण विकास की अहम कड़ी है।

जीवन में कामयाबी के लिए विचारों का मैनेजमेंट जरूरी : धनखड़

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री ओपी धनखड़ ने मंच से अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में विचारों का मैनेजमेंट जरूरी होता है। इंसान के अंदर तरह-तरह के विचार आते हैं और किस विचार को कितना महत्व देना और कितने समय तक अपने अंदर रखना है यह मैनेजमेंट ही जीवन में कामयाबी को तय करता है। पूर्व मंत्री ने अध्यापकों व एसएमसी सदस्यों से आह्वान किया कि वह बच्चों के जीवन को उज्ज्वल बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करें।

युवा और किसानों के साथ हुए अत्याचार का जबाब चुनावों में मांगेगी जनता : रामेश्वर

नागल चौधरी, अगस्तः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर पहलवान ने तलोट गांव में जनसंपर्क करते हुए भाजपा पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया है। कहा कि भाजपा ने किसानों के साथ यूज एंड थ्रो का काम किया है। जनता को जातिवाद और धार्मिक भावना में बहाकर वोट लिए हैं। लेकिन अब जनता जागरूक हो चुकी है, चुनावों में अग्नवीर योजना तथा किसानों के साथ हुई बर्बरता का जबाब मांगेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में हमेंशा लोकतांत्रिक विचारधारा को सम्मान मिला है। किसी भी समुदाय का विरोध होने पर उनकी बातें सुनी जाती थी तथा यथासंभव समाधान कराया जाता था। लेकिन भाजपा के शासन में इंसाफ मांगने पर लाठी-डंडे तथा गोलीबारी मिलती हैं। बीते दिनों सरपंचों को लाठियों से पीटा गया था, अब वोट नजदीक आते सरकार की आंख खुली हैं। वोट बटोरने के लिए पंचायतों को वित्तीय पावर देने का लालीपॉप दिया गया है, जबकी कांग्रेस ने पंचायतों को सीधी ग्रांट देने की परंपरा शुरू की थी। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल करने का आश्वासन दिया है। हुड्डा की कथनी और करनी में फर्क नहीं होता, उन्होंने जनता से जो भी वादे किए थे, वे सभी पूरे हुए हैं। इसके बाद उन्होंने गांव में भाजपा विरोधी रैली निकाली तथा ग्रामीणों को सांसद दीपेंद्र हुड?डा की हरियाणा बचाओ पद यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इस मौके पर मोहरिसंह, विकास कुमार, अभय सिंह, राजेंद्र सिंह, विक्रम, महेशचंद, रमेश मौजूद रहे हैं।

ग्रामीणों से जनसंपर्क करते हुए कांग्रेसी नेता रामेश्वर पहलवान।

अधिकारी आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुनें

आमजन को अच्छे से बैठाएं, उनके साथ अच्छा व्यवहार करें और अविलंब विधिसम्मत समाधान कराएं - जिला प्रशासन

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। डीएम कार्यालय प्रकोष्ठ में आज जनता दरबार का आयोजन किया गया। डीएम दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। डीएम के जनता दरबार में कुल-75 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। आज के जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से डीएम को अवगत कराया गया उनमें ओमप्रकाश चौधरी, रमेश प्रसाद चौरसिया, मो0 उस्मान, विजय कुमार कुशवाहा, नैनपति देवी, गिरधारी राम, अकलीमा खातुन, रंजू चौधरी, यमुना यादव, नंदकिशोर पाण्डेय आदि के नाम शामिल हैं। जनता दरबार में आये कुछ लोगों ने जिलाधिकारी को बताया कि प्रखंड स्तर के अधिकारी,

कर्मी उनकी बातों को नहीं सुन रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने नराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को फोन कर उन्हें सख्त हिदायत दिया कि समस्याओं के समाधान हेतु प्रखंड/अंचल कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को अच्छे से बैठाकर उनकी बातों को गंभीरता से सुने, उनके साथ अच्छा व्यवहार करें एवं अविलंब विधिसम्मत कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिलाधिकारी के जनता दरबार कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मियों के साथ कार्यालय में अचूक रूप से उपस्थित रहेंगे और अपने-अपने मोबाईल फोन ऑन रखेंगे ताकि किसी भी प्रकार का निर्देश दिये जाने पर त्वरित रूप से कार्रवाई हो सके। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि प्रखंड स्तर के अधिकारी सप्ताह में कम-से-कम एक दिन जनता से अवश्य मिलें, उनकी बातों को गंभीरता से सुनें और नियमानुकूल समाधान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि जनता दरबार में आये लोगों के समस्याओं/शिकायतों के समाधान हेतु जिले के सभी अधिकारी तत्पर होकर कार्य करेंगे। इसके साथ ही लोक शिकायत निवारण कार्यालय, जिलाधिकारी के जनता दरबार कार्यक्रम, जिलाधिकारी के कार्यालय, माननीय मुख्यमंत्री के जनता दरबार से प्राप्त मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अविलंब विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रायः देखा जा रहा है कि ऐसे मामलों के त्वरित निष्पादन में संबंधित अधिकारी लापरवाही, उदासीनता एवं शिथिलता बरत रहे हैं। ऐसा कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। साथ ही ऐसा करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई निश्चित रूप से की जायेगी। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा,अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन, रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर, विनोद कुमार, वरीय उप समाहर्ता, बेबी कुमारी, रोचना माद्री, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऐतिहासिक खुदा बख्श खान चौक बेतिया को संरक्षण प्रदान करते हुए ओरिएंटल खुदा बख्श लाइब्रेरी पटना के संस्थापक मौलवी खुदा बख्श खान के सम्मान में बेतिया मे राष्ट्रीय स्मारक एवं विश्वविद्यालय स्थापित हो।

सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से सरकार से की मांग।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सभागार सत्याग्रह भवन में खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी के संस्थापक मौलवी खुदा बख्श खान 182वीं जन्म दिवस पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ0 एजाज अहमद (अधिवक्ता) डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड , वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक,डॉ शाहनवाज अली , डॉ अमित कुमार लोहिया ने संयुक्त रूप से कहा कि आज ही के दिन आज से 182 वर्ष पूर्व 02 अगस्त 1842 को मौलवी खुदा बख्श खान का जन्म हुआ था। उनका सारा जीवन भारतीय इतिहास एवं कला संस्कृति को संरक्षित करने में बीता। पटना शहर में भारत के कुछ दुर्लभ एवं सबसे मूल्यवान पांडुलिपियों का खजाना खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी में मौजूद है। जिसमें इस्तांबुल सार्वजनिक ग्रंथालय के बाद विश्व के सबसे बड़ी ग्रंथथालय मौलवी खुदा बख्श खान के द्वारा स्थापित ग्रंथालय है। खुदा बख्श लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन बंगाल के तत्कालीन उपराज्यपाल सर चार्ल्स इलियट ने किया था। इस अवसर पर डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता ने कहा कि 1969 में भारत की संसद द्वारा खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी का देखरेख का भाग सरकार ने अपने अंतर्गत ले लिया। जिसमें उर्दू, फारसी, अरबी की हजारों पांडुलिपिया हैं। इस अवसर पर डॉ एजाज अहमद डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शाहनवाज अली ने संयुक्त रुप से कहा कि ऐतिहासिक खुदा बख्श खान चौक को संरक्षण प्रदान करते हुए खुदा बख्श लाइब्रेरी के संस्थापक मौलवी खुदाबख्श खान के सम्मान में राष्ट्रीय स्मारक एवं विश्वविद्यालय स्थापित किया जाए, ताकि नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली इतिहास को जान सकें एवं दुर्लभ स्मृतियों को संरक्षित किया जा सके।

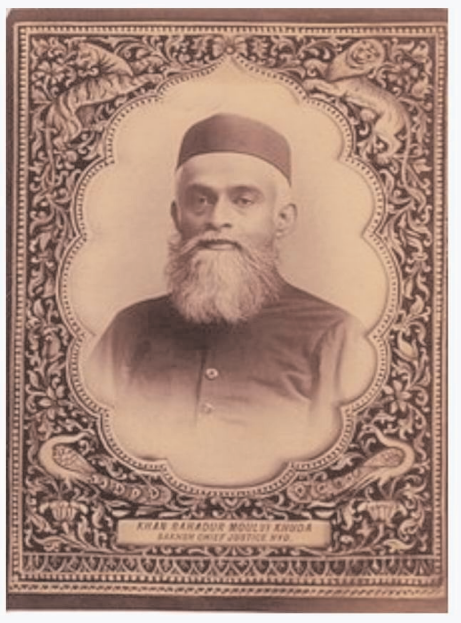

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया पुल

चित्रकूट। मकरी पहरा पुल निर्माण पर किया गया बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। पुल से जोड़कर बनाई गई सड़को की साइडे धसी गयी है जिससे निकलने वाले राहगीर गिरकर चुटहिल हो रहे है। पुल निर्माण में गुणवत्ता का जरा भी ख्याल नही रखा है खाउ कमाउ नीति के चलते सेतु निर्माण निगम पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार पर वायरल वीडियो को ट्वीट किया है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के निर्माण कार्य पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। अखिलेश के ट्वीट के बाद विभागीय अधिकारियों पर हड़कंप मच गया है। सुबह से जल्दी जल्दी रिपेयरिंग पर विभागीय अधिकारी जुट गये है।

गांजा के साथ युवक पकडा

चित्रकूट। चौकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी, उपनिरीक्षक कुंवर प्रखर सिंह, आरक्षी श्यामू, नरेन्द्र ने अभियुक्त प्रेमकुमार गुप्ता उर्फभालू पुत्र भूरेलाल गुप्ता निवासी पाण्डेय कालोनी को 750 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

परिवार का झगड़ा कराया समाप्त

चित्रकूट। परिवार परामर्श केन्द्र ने मतभेदों को समाप्त कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया है। कोतवाली कर्वी के लौढियाखुर्द गांव निवासी रेनू पुत्री शंकर दयाल ने पति धर्मराज पुत्र लल्लू यादव निवासी ममसी खुर्द थाना कमा्सिन जनपद बांदा एवं ससुराल पक्ष द्वारा गाली गलौज, मारपीट व लड़ाई झगड़ा कर प्रताड़ित करते है। केन्द्र प्रभारी गुड्डी देवी, महिला आरक्षी शिवांगी श्रीवास्तव, मंजूलता पाल ने शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया।

योजना में करे आवेदन

चित्रकूट। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि शहरी-ग्रामीण क्षेत्र निवासी माटीकला एवं माटी शिल्पकला के पैतृक कारीगर कुम्हार-प्रजापति समाज के कारीगर उद्यमियों-शिल्पियों को कौशल विकास योजना के अन्तर्गत दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना आदि विधाओं में 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण 20 प्रशिक्षार्थियों को दिया जायेगा।

संशोधन के लिये दो दिन का बढ़ा समय

चित्रकूट। नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मानिकपुर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बताया कि राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दीर्घकालीन व्यवसायों में माह अगस्त से प्रारम्भ होने वाले प्रशिक्षण सत्र अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए वेबसाइट अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गयी प्रविष्टियों में हुई कतिपय त्रुटियों के संशोधन दो दिन का समय दिया जायेगा।

मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

महोबा। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वादों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें शासन के द्वारा निर्धारित करों के लक्ष्यों की पूर्ति कों सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए । जिलाधिकारी ने डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य कर, एआरटीओ, खनिज अधिकारी को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत वसूली करने तथा रजिस्ट्रेशन ब?ाने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने नगर पालिका/नगर पंचायतों को निर्देशित करते हुए कहा कि दुकानों का अग्रीमेंट कराकर ही किराये पर दें।

बेबसी : प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने नहीं सुनी तो ग्रामीण स्वयं ही करने लगे सड़क निर्माण

ग्रामीण अपने निजी संसाधनों के माध्यम सें सड़क को चलने योग्य बनाने में जुटे

■ महोबा

तहसील चरखारी अंतर्गत आने वाले ग्राम रैपुरा और महाराजपुरा को जोड़ने वाली खस्ताहाल सड़क निर्माण कराने के लिए शासन प्रशासन व जन प्रतिनिधियों से कई बार मांग की गई, लेकिन ग्रामीणों को किसी नहीं सुनी, जिस पर पांच ग्रामों के ग्रामीण स्वयं इस सड़क को बनाने में जुट गए हैं। ग्रामीणों ने अपने निजी संसाधनों के जरिए रैपुरा और महाराजपुरा को जोड़ने वाली सड़क निर्माण का कार्य भी प्रारम्भ कर दिया है।

गौरतलब है कि ग्राम रैपुरा और महाराजपुरा की सड़क कच्ची होने के कारण इसकी हालत बद से बद्तर है, उस पर हर साल बारिश में पानी भर जाने के कारण सड़क में कीचड़ भर जाने के कारण दलदलनुमा हो जाती है, जिससे ग्रामीण वाहन से क्या पैदल निकलना मुश्किल रहता है। पूरा मार्ग कच्चा होने के कारण किसान खेतों तक अपने कृषि यंत्र नहीं ले पाते, जिससे उन्हें खेती करने में भी भारी असुविधा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग की

दूरी कम है, लेकिन गुजरने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है। इस रास्ते से करीब पांच गांव के ग्रामीण प्रतिदिन आते जाते है। बताया कि सड़क निर्माण के लिए कई बार शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की गई, लेकिन बारिश से पूर्व हर बार सिर्फ आश्वासन दिया गया, जिसका खामियाजा यहां के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

प्रशासन द्वारा सड़क निर्माण न कराए जाने से और आवगमन की समस्या से परेशान होकर ग्रामीणों ने एक राय होकर ग्राम रैपुरा और महाराजपुरा की कच्ची सड़क का कायाकल्प करने का मन बनाया और अपने संसाधनों के सहारे सड़क निर्माण कार्य के लिए जुट गए। ग्रामीणों सड़क से वाहन और चलने योग बनाने की ठानते हुए सड़क के बड़े बड़े गड्ढों को भरने के लिए ट्रेक्टरों के जरिए इधर उधर से ईंट, पत्थर आदि लेकर डाल रहे हैं और सड़क को बनाने में लगे हुए हैं । उधर ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत पहुंचे और सड़क न बनने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि दो माह के अंदर जिला पंचायत से सड़क निर्माण कराए जाने का पूरा प्रयास किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़ें।

इटखरी सचिव पर ग्रामीणों ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

■ चित्रकूट

ग्रामीण सहकारी समिति इटखरी के सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। विभागीय अधिकारियों के रहमों करम से सचिव को बचाया जा रहा है जबकि सचिव रहते हुए कई सालों से केन्द्र मे हेरा फेरी मे यह शामिल रहे है। ग्रामीण ने विभाग के अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद जिम्मेदार विभाग के अधिकारी द्वारा कोई कार्रवाई नही की गयी।

किसान जगतनारायण का 41,500 और किसान पितुवा उर्फप्रीतम ने 41,360 पैसा जमा करने के लिए सचिव ने फर्जी रसीद काट कर दे दी जबकि इसका पैंसा बैंक में नहीं जमा किया गया। षिकायत करने के कई महीनो बाद पैसा जमा किया गया। वहीं 25 कुंतल गेहूं बेचने का मामला सामने आया है सूचना अधिकारियों को मिलने के बाद 25 कुंतल गेहूं वापस किया गया। सचिव का ट्रांसफर होने की बावजूद नए सचिव को चार्ज नही दिया जा रहा है 15 दिन बीत जाने के बावजूद नए सचिव को विभाग अधिकारियों के लापरवाही के कारण अभी तक चार्ज नही मिल पाया। चार्ज न मिलने से सचिव ना होने के कारण किसान भटक रहा है। शिवरामपुर सहकारी बैंक लि.बांदा चित्रकूट इटखरी के सचिव द्वारा 30 अक्टूबर 2023 को केसीसी ऋण वसूली में कृषक पितुवा उर्फप्रीतम पुत्र बल्दू की रिण वसूली कर शाखा में धनराशि 41360 जमा नहीं की गयी जबकि कृषक को सचिव द्वारा 122/16 रसीद काटकर उपलब्ध करा दी गई। वह समिति के रजिस्टर के पासबुक में समिति के सचिव के द्वारा वसूली की धनराशि अंकित अंकित कर खाता बेबाक कर दिया गया। पिछले साल इनके उपर 80 बोरो गेहूं मे गबन करने पर इनको निलंबित किया गया था बाद मे छह महीने बाद इनका पुनः बहाल कर दिया गया।

ट्रेन से कट कर किशोरी समेत दो की मौत

■ बांदा

शराब के नशे में अधेड़ माल गाड़ी के नीचे घुस गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। एक अन्य घटना में ट्रेन की चपेट में आकर किशोरी घायल हो गई। उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शहर के नोनिया मोहाल निवासी 50 वर्षीय अंतू सोनकर पुत्र स्व रामआसरे सोनकर बुधवार की भोर घर से निकल आया। क्योटरा रेलवे क्रासिग पर रेलवे लाइन किनारे बैठ गया। इसी बीच वहां से गुजर रही माल गाड़ी के नीचे घुस गया। उसका एक हाथ और पैर का पंचा कट गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे राहगीरो ने उसे पहचान लिया। मामले की जानकारी घरवालो को दी गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के छोटे भाई राजाभइया ने बताया कि अंतू आविवाहित था। वह राज मिस्त्री का काम करता था। जो कमाता था वह नशे में उड़ा देता था। रात में नशे की हालत में घर आया था। सुबह करीब साढे पांच बजे घर से निकल गया था। नशे की हालत में उसने यह घटना अंजाम दी।

दूसरी घटना में अतर्रा थाना क्षेत्र के खम्हौरा गांव निवासी 13 वर्षीय विनीता पुत्री जगदीश मंगलवार की शाम पड़ोसी की छोटी बच्चियो के साथ घर से निकल गई थी। रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन का धक्का लग जाने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे घरवालो ने उसे उठाकर सीएचसी अतर्रा में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरो ने उसकी हालत नाजुक देख उसे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। घरवालो ने उसे यहां लाकर भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। मृतका के चाचा सुनील ने बताया कि बिनीता मंद बुद्वि की थी। वह घर से बच्चियो के साथ निकल गई थी। मृतका दो बहनो में छोटी थी। पिता मजदूरी करता है। अचानक हुई इस घटना से मां सोनिया का रो रोकर बुरा हाल है।

सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए दुरुस्त डीआईजी

बांदा। पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के अनुपालन और श्रावण मास के चलते रेंज में सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। डीआईजी अजय कुमार सिंह ने गूगल मीट कर रेंज के चारों पुलिस अधीक्षकों के साथ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के संबंध में अनुपालन करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही चल रहे श्रवण मास में सुरक्षा व्यवस्था वकानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया। गूगल मीट के दौरान चारों जनपदों के पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह चित्रकूट, पुलिस अधीक्षक हमीरपुर डा. दीक्षा शर्मा, पुलिस अधीक्षक महोबा अर्पणा गुप्ता और एसपी बांदा अंकुर अग्रवाल मौजूद रहे।

रिजल्ट घोषित न होने से एडमीशन नहीं ले पा रहे छात्र

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रदर्शन कर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

बांदा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई ने पंडित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौपा। नगर मंत्री कार्तिकेय गुप्ता ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया की बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय डिग्री कॉलेज की एमए की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। लेकिन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक बीए के छठवें सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित नहीं किया गया है, जिससे बीए सेमेस्टर मे अध्यनरत छात्र-छात्राएं एडमिशन फॉर्म भरने व महाविद्यालय में एडमिशन लेने में असमर्थ है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा बार-बार नियमों की धज्जियां उड़ाने के विरोध में सभी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओ द्वारा कुलपति को संबोधित करते हुए प्राचार्य पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। कार्तिकेय गुप्ता ने बताया किजब ज्ञापन सौंपा गया तब प्राचार्य ने संतोष जनक जवाब नहीं दिया इस पर कार्यकर्ताओ ने महाविद्यालय के सामने सड़क जाम करके विरोध प्रदर्शन किया, जिससे कार्यकर्ताओ का आक्रोश देखते हुए प्राचार्य ने विद्यार्थी परिषद की सभी मांगे मानी और परास्नातक के एडमिशन सोमवार तक के लिए स्थगित किया। इस मौके मे विभाग संगठन मंत्री शिवम पांडेय ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा की विद्यार्थी परिषद जब जब किसी छात्र के साथ अन्याय होगा, तब अभाविप के कार्यकर्ता सबसे आगे खड़े होकर उनका सामना करेंगे। इस मौके मे विभाग संयोजक नीतीश निगम, रजत त्रिवेदी, श्लोक द्विवेदी, पार्थ सिंह, स्वतंत्र सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां के दूध में ही पाए जाते हैं विटामिंस और प्रोटीन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने महिला अस्पताल में आयोजित किया जागरूकता शिविर

■ बांदा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला महिला चिकित्सालय में गुरुवार को स्तनपान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान मां के पहले दूध के महत्व के सम्बंध में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया। विधिक जागरुकता शिविर की अध्यक्षता अपर जिला जज व सचिव श्रीपाल सिंह ने की।

अपर जिला जज ने कहा कि स्तनपान बच्चे के लिए सर्वोत्तम भोजन हैं और बच्चे की सभी जरुरतों को पूरा करता है। स्तनपान करने वाले बच्चे सर्वोधिक संतुलित आहार प्राप्त कर लेते हैं और उनमें सकंमण की सम्भावना बहुत कम हो जाती हैं। केवल मां के दूध में ही प्रोटीन आवश्यक वसायुक्त लवण, एण्टीबॉडी व बच्चें के मानसिक विकास के लिए आवश्यक विटामिन्स पाये जाते हैं। प्रसव के पूर्व अस्पतालों में आने वाली गर्भवती महिलाओं और परिवार के अन्य सदस्यों को स्तनपान के बारे में बतलाया जाना इसलिए आवश्यक है कि यदि कोई महिला घर में प्रसव कराना चाहें तो उसे जानकारी न होने के कारण नवजात शिशु को

स्तनपान के लाभों से वंचित न रखा जा सकें। नवजात शिशुओं को मात्र स्तनपान कराने से ही कुपोषण और संक्रमण जैसे रोगों से बचाया जा सकता हैं। स्तनपान बच्चे के प्रसव के आधे घण्टे के अन्दर कराया जाना चाहिए। नवजात शिशुओं को न्यूनतम छह माह तक स्तनपान कराया जाना अत्याधिक आवश्यक है।सीएमओ एके श्रीवास्तव ने कहा कि स्तनपान करने वाले बच्चों को 06 माह की आयु तक पानी की कोई आवश्यकता नहीं होती हैं। माँ के दूध में ही बच्चों की आवश्यकता के अनुसार 04 माह तक पर्याप्त मात्रा में पानी होता हैं। बोतल व पेसीफायर का कभी भी इस्तेमाल नही किया जाना चाहिए। महिला अस्पताल सीएमएस डा. सुनीता सिंह ने कहा कि सीजेरियन सेक्शन से जन्म लेने वाले बच्चें को मां की हालत ठीक होते ही 04 से 06 घण्टे में स्तनपान कराया जाना चाहिए। जन्म के बाद पहले कुछ दिनों तक पीले गाढ़े दूध कोलेस्ट्रॉम में प्रचुर मात्रा में विटामिन, एण्टीबॉडीज और सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं जो कि प्रत्येक नवजात शिशु के लिए आवश्यक हैं। इससे संक्रमण का प्राकृतिक रुप से बचाव होता हैं और शिशु का एनीमिया, केराटोमेलासिया जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोगो से भी बचाव होता हैं।रमा साहू, प्रबन्धक, वन स्टॉप सेण्टर ने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह प्रत्येक वर्ष बच्चों के लिए नियमित स्तनपान को जोर देने के लिए मनाया जाता है। इस साल भी स्तनपान सप्ताह एक अगस्त से प्रारम्भ होकर सात अगस्त को समाप्त होगा। नवजात शिशु के स्वस्थ्य रहने, मानसिक व शारीरिक विकास के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं। सुमन शुक्ला-पराविधिक स्वयं सेवक ने बताया कि यदि बच्चा 06 माह का हो गया है तो उसे माँ के दूध के साथ-साथ अन्य पूरक आहार जैसे मसली हुई दाल, दाल का पानी, उबला हुआ आलू, केला आदि दिया जाना भी आवश्यक हैं किन्तु यदि बच्चा अस्वस्थ्य हैं तो इसके पूर्व अपने चिकित्सक से सलाह अवश्य लें किन्तु बच्चों को स्तनपान अवश्य कराते रहना चाहिए। शिविर में डा. आरएन प्रसाद एसीएमओ और डा. पीके पाण्डेय ने भी उक्त विषय पर व्याख्यान किया गया। शिविर का संचालन सुमन शुक्ला द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त जिला महिला कल्याण विभाग की ओर से प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में मनाये जाने वाले बालिका जन्मोत्सव के अन्तर्गत केक काटकर 10 नवजात बच्चियों को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरणश्रीपाल सिंह व सीएमओ अनिल कुमार श्रीवास्तव, डा. सुनीता सिंह ने उपहार भेंट किए। इस शिविर में राशिद अहमद डीईओ के साथ अमन गुप्ता, वैशाली व श्रोतागण उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

घुसपैठिया का रोमांटिक गाना 'तेरे बिना अब तो' रिलीज

मुंबई : विनीत कुमार सिंह और उर्वशी रौतेला की आने वाली फिल्म घुसपैठिया का रोमांटिक गाना 'तेरे बिना अब तो' रिलीज हो गया है। गाना 'तेरे बिना अब तो ' में विनीत कुमार सिह और उर्वशी रौतेला के बीच केमिस्ट्री दिखाई गई है।इस गाने को सिद्धार्थ मेनन ने गाया है, अक्षय मेनन ने संगीत दिया है और तरंगिनी मेनन ने दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित, घुसपैठिया 09 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय हैं, और इसका निर्माण एम. रमेश रेड्डी, ज्योतिका शेनॉय और मंजरी सुसी गणेशन ने किया है। निर्देशक सुसी गणेशन ने कहा कि तेरे बिना अब तो' में विनीत और उर्वशी के बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। उनके प्रदर्शन ने गाने में एक गहरी भावनात्मक परत जोड़ दी है, जो इसे फिल्म की कहानी के लिए एकदम सही जोड़ बनाती है। हम दर्शकों के साथ इस खूबसूरत गाने को साझा करने के लिए रोमांचित हैं और 09 अगस्त को फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

द. अफ्रीका में बस-ट्रेन दुर्घटना : पांच विद्यार्थियों की मौत, 20 घायल

जोहान्सबर्ग : दक्षिण अफ्रीका में एक स्कूल बस और ट्रेन की टक्कर में पांच विद्यार्थियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। परिवहन विभाग ने कहा कि बस और मालगाड़ी की टक्कर अपराह्न में पूर्वी- दक्षिण अफ्रीका के मपुमलांगा प्रांत के मिडलबर्ग में एक लेवल क्रॉसिंग पर हुई। विभाग ने कहा कि दुर्घटना में पांच बच्चों की मौत हो गई और 20 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के बाद बस चालक घटनास्थल से भाग गया। बयान में कहा गया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दक्षिण अफ्रीका के परिवहन मंत्री बारबरा क्रीसी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से स्कूल परिवहन से सड़क सुरक्षा अभियान को तेज करने का आहवान किया और सड़क उपयोगकर्ताओं से अत्यधिक सावधानी बरतने , खासकर लेवल क्रॉसिंग पर और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले जुलाई में गौतेंग प्रांत के जोहान्सबर्ग के निकट एक मिनी बस-ट्रक की टक्कर में 12 विद्यार्थियों और एक चालक सहित 13 लोग मारे गए थे तथा सात अन्य घायल हो गए थे।

ईरानी सैन्य सलाहकार की मौत

तेहरान : लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में इजरायल की ओर से किये गए हमले में ईरान के सैन्य सलाहकार मिलाद बिदी की मौत हो गई। ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट बताया कि बिदी की मौत दहीह उपनगरों में एक इमारत पर इजरायली हमले में हुई, जहां हिज्बुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फौद शोकोर रह रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिदी शोकोर की इमारत के पास तैनात थे और उनकी मृत्यु की घोषणा में देरी उनकी पहचान के बारे में शुरुआती अनिश्चितता के कारण हुई है। गौरतलब है कि मंगलवार शाम को इजरायल ने ड्रोन के जरिए दहीह उपनगरों में हिज्बुल्लाह की शूरा परिषद के पास तीन मिसाइलें दागीं, जिसके कारण शोकोर और पांच अन्य की मौत हो गई, जबकि 74 लोग घायल हो गए।

ट्यूनीशिया ने हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या की निंदा की

ट्यूनिस : ट्यूनीशिया ने तेहरान में हमास के पोलित ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हनीयेह की हत्या की कड़ी निंदा की। ट्यूनीशिया के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि ट्यूनीशिया ने इस हत्या को राष्ट्रों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन और सभी मानवीय, नैतिक मूल्यों तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की अवहेलना माना है। बयान में कहा गया कि यह जघन्य हत्या फिलिस्तीन के कब्जे से पहले और बाद में फिलिस्तीनी अधिकार का बचाव करने वाले कई लोगों के खिलाफ इजरायली हमलों के खूनी इतिहास की लंबी सूची में शामिल हो गया है। हनीयेह की नए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद तेहरान में उनके आवास पर हवाई हमले में मौत हो गई।

गाजा संघर्ष समाप्त करने के आहवान पर ध्यान नहीं देंगे : नेतन्याहू

तेस अवीव : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यहूदी देश इजरायल ईरान की 'बुराई की धुरी' के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है, इसलिए वह गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आहवान पर ध्यान नहीं देंगे। नेतन्याहू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक भी सप्ताह ऐसा नहीं गया, जब हमें देश और विदेश में युद्ध रोकने के लिए नहीं कहा गया। मैंने इन आहवानों के आगे घुटने नहीं टेके है और मैं आज भी उनके आगे नहीं झुकूंगा। उन्होंने कहा कि इजराइल ईरान की बुराई की धुरी के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार हैं, हम किसी भी खतरे का सामना करने के लिए एकजुट और दृढ़ रहेंगे। हमारे खिलाफ किसी भी दिशा से आक्रामकता की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यूक्रेन को नीदरलैंड से मिले छह लड़ाकू विमान

यूक्रेन : यूक्रेन को नीदरलैंड से छह एफ-16 लड़ाकू विमान मिले हैं। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नाटो द्वारा आपूर्ति किए गए एफ-16 लड़ाकू विमानों का पहला बैच यूक्रेन पहुंच गया है। वहीं टेलीग्राफ अखबार ने बताया कि यूक्रेन को आपूर्ति किए गए एफ-16 ने वायु रक्षा क्षमता में अपनी पहली उड़ान भरी। द टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यूक्रेन को जल्द ही डेनमार्क से भी एफ-16 का एक नया बैच मिलेगा।

भारत-वियतनाम ने समग्र रणनीतिक साझीदारी का रोडमैप किया तय

नई दिल्ली : भारत और वियतनाम ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र को केन्द्र में रख कर अपनी समग्र रणनीतिक साझीदारी के कार्यान्वयन की अगले पांच साल के रोडमैप पर गुरुवार को मुहर लगाई तथा ऊर्जा, कृषि, संस्कृति, स्टार्ट अप्स, हरित अर्थव्यवस्था एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के नये अवसर खोलने तथा पर्यटन सहित लोगों के आदान प्रदान बढ़ाने के संकल्प व्यक्त किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिंग चिंग के बीच यहां हैदराबाद हाउस में हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक में उक्त निर्णय लिए गए। बैठक के बाद नौ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेताओं ने वर्चुअल रूप से वियतनाम के नया चांग में दूरसंचार विश्वविद्यालय में आर्मी सॉफ्टवेयर पार्क का उद्घाटन किया तथा वियतनाम के आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की। जिन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किया गया है उनमें भारत और वियतनाम के बीच 2024-28 की अवधि के दौरान व्यापक रणनीतिक साझीदारी के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना, भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और वियतनाम सीमा शुल्क के सामान्य विभाग, वियतनाम के बीच सीमा शुल्क क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन, कृषि अनुसंधान और शिक्षा में सहयोग के लिए मणिपुर के इंफाल स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय और जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन शामिल हैं।

गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान भारतीय गणमान्यों से मुलाकात करते वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिंग चिंग।

हमास मिलिट्री चीफ की मौत

एक दिन पहले ईरान में पॉलिटिकल चीफ की हुई थी हत्या

● हमास, एजेंसी

हमास का मिलिट्री चीफ मोहम्मद दाइफ मारा गया। यह दावा गुरुवार को इजराइली सेना ने किया। सेना ने बताया कि गाजा के खान यूनिस में 13 जुलाई को दाइफ को हवाई हमले में मार गिराया गया था।

मोहम्मद दाइफ की मौत की खबर काफी समय से चर्चा में थी, लेकिन इजराइल ने पुष्टि अब की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमास के जिन 3 बड़े नेताओं ने इजराइल पर हमले में बड़ी भूमिका निभाई थी, उनमें हमास पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानियेह, गाजा चीफ याह्या सिनवार के साथ मोहम्मद दाइफ भी शामिल था। अब सिर्फ याह्या सिनवार ही सबसे बड़ा नेता बचा है। इससे पहले हानियेह 31 जुलाई को तेहरान में एक हमले में मारा गया था। इसके बाद से ईरान और इजराइल के बीच जंग का खतरा मंडरा रहा है। मोहम्मद दाइफ की ये तस्वीर टाइम्स ऑफ इजराइल ने शेयर की है। ये कब की है अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

इजराइल की तरफ से 13 जुलाई को अल-मवासी कैंप पर एक एयरस्ट्राइक की गई थी। इस हमले में 90 लोगों की मौत हुई थी, वहीं 300 से ज्यादा घायल हुए थे। तब इस बात की चर्चा चली थी कि मरने वालों में मोहम्मद दाइफ भी शामिल था। हालांकि अगले ही दिन हमास ने इस दावे को खारिज कर दिया था। दाइफ पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले का

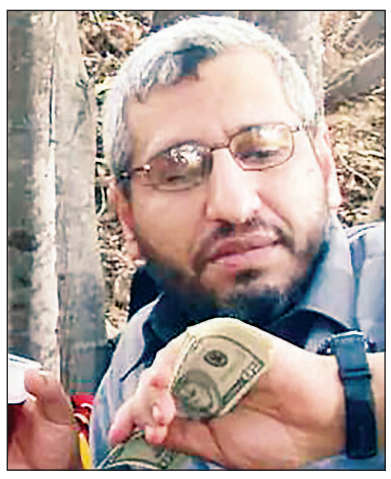

मास्टरमाइंड था। उसी ने इस ऑपरेशन को अल अक्सा फ्लड नाम दिया था। इजराइल 7 बार दाइफ को मारने की कोशिश कर चुका था, हालांकि उसे सफलता नहीं मिल पाई थी। दाइफ के बार-बार बचने की वजह से उसे '9 जिंदगी पाने वाली बिल्ली' कहा जाता था। इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दाइफ की मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि यह गाजा से आतंक को मिटाने के टारगेट में एक बड़ा कदम साबित हुआ है। इजराइली सेना ने 13 जुलाई को गाजा के ओसामा बिन लादेन 'दाइफ' को मार गिराया। अब हम हमास को मिटाने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। गैलेंट ने अपने पोस्ट के साथ एक फोटो भी शेयर की, जिसमें वे दाइफ की

इजराइली हमले में 7 बार बचा था दाइफ, लीडरशिप में सिर्फ सिनवार बचा

तस्वीर को काले मार्कर से क्रॉस करते दिख रहे हैं। गैलेंट ने कहा कि आईडीएफ और शिन बेत की टीम के जॉइंट ऑपरेशन से यह साबित हुआ है कि हम अपने मकसद के करीब हैं। अब आतंकियों के पास 2 ही विकल्प बचे हैं, या तो वे सरेंडर कर दें नहीं तो उन्हें मार दिया जाएगा। दाइफ 2002 से हमास के मिलिट्री विंग का हेड था। मोहम्मद दाइफ 1965 में गाजा के खान यूनिस कैंप (रिफ्यूजी कैंप) में पैदा हुआ था। उस समय गाजा पर मिस्र का कब्जा था। 1950 में इजराइल में हथियार लेकर घुसपैठ करने वालों में उसका पिता भी शामिल था। बचपन से ही उसने अपने रिश्तेदारों को फिलिस्तीन की लड़ाई लड़ते हुए देखा था। दाइफ ने गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी से साइंस की पढ़ाई की थी। वह अपने कॉलेज में एंटरटेनमेंट कमेटी को लीड करता था। उसने कई नाटकों में हिस्सा लिया था। 20 की उम्र के बाद अब तक दाइफ की कोई तस्वीर सामने नहीं आई थी। हमास की स्थापना 80 के दशक के अंत में हुई। तब दाइफ की उम्र करीब 20 साल थी। ये वो समय था जब वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी पर इजराइल के कब्जे के खिलाफ पहले फिलिस्तीनी इंतिफादा या विद्रोह

सुरजेवाला का भाजपा पर तंज

● नई दिल्ली,

कांग्रेस ने गुरुवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने किसानों की हालत सुधारने के लिए अब तक जो भी वादे किए वे केवल जुमले साबित हुए और किसानों की आय दोगुना करने से लेकर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल की खरीद करने जैसे एक भी वादे को पूरा नहीं किया गया है।

कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला ने सदन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि मोदी सरकार के किसान कल्याण क्रियाकलापों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने पांच वर्षों में कृषि मंत्रालय के बजट का एक लाख करोड़ रुपया वापस लौटाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जाएगी लेकिन मंत्रालय की स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि किसानों की आय दोगुना तो नहीं की जा सकी बल्कि यह कुछ राज्यों में पहले से भी कम हो गयी है। उन्होंने कहा कि सरकार बजट में कृषि के आवंटन को चार प्रतिशत से कम कर कुल बजट के केवल 2.74 प्रतिशत पर ले आयी है। उन्होंने सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में सवा लाख से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह निजी बीमा

बोले : किसानों की हालत सुधारने के लिए कोई वादा पूरा नहीं किया सरकार ने

कंपनियों के लिए मुनाफे का सौदा बन गयी है। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने के समय एमएसपी लागू करने का वादा किया था लेकिन अब तक यह पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कृषि मंत्री द्वारा दिये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार खुद उसके द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही फसलों की खरीद नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गेंहूं, चना , जौ और सरसों के कुल उत्पादन में से बहुत कम फसल को एमएसपी पर खरीदा है। उन्होंने कहा कि फिर एमएसपी का क्या औचित्य रह जाता है।

ऑर्टबर्ग होंगे बोइंग के नए अध्यक्ष

फ्रांसिस्को, वार्ता : अमेरिका कंपनी बोइंग ने रॉबर्ट के. 'केली' ऑर्टबर्ग को नया अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है और उनकी नियुक्त 08 अगस्त से प्रभावी होगी। कंपनी के नए अध्यक्ष एवं सीईयो के तौर पर ऑर्टबर्ग का चयन कंपनी के निदेशक मंडल ने किया। वह बोइंग के निदेशक मंडल में भी काम करेंगे। ऑर्टबर्ग डेव कैलहौन का स्थान लेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में कंपनी से सेवानिवृत्त होने का इरादा जताया था। उन्होंने जनवरी 2020 से अध्यक्ष एवं सीईओ के रूप में और 2009 से निदेशक मंडल के सदस्य के रूप में कार्य किया है। मोलेनकोफ ने कहा कि बोर्ड ने बोइंग के अगले सीईओ का चयन करने के लिए पिछले कई महीनों में गहन और व्यापक तलाश प्रक्रिया चलाया।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

छपरा, वार्ता : बिहार में सारण जिले के बनियापुर थाना क्षेत्र से गोपालगंज जिले की पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि गोपालगंज की पुलिस ने बनियापुर थाना क्षेत्र के पुछरी गांव पहुंच कर सुनील कुमार और रोहित कुमार को अपनी हिरासत में लिया। जिनके पास से साइबर फ्राड का 34500 रुपया नगद, एटीएम कार्ड और चेकबुक बरामद किया गया है। सूत्रों ने बताया कि इन दोनों अपराधियों के विरुद्ध गोपालगंज नगर थाना क्षेत्र में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसके बाद गोपालगंज की पुलिस की टीम सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रांजल के नेतृत्व में बनियापुर थाना पहुंची और वहां से पुछरी गांव पहुंच कर दोनों को गिरफ्तार किया।

भारत ने श्रीलंका से जताई नाराजगी

नई दिल्ली, वार्ता : श्रीलंका के कच्चतिवू द्वीप के समीप एक श्रीलंकाई नौसैनिक जहाज से एक भारतीय नौका के टकरा जाने से नौका में सवार चार मछुआरों में एक की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। इस घटना पर भारत ने श्रीलंका के साथ कड़ी नाराजगी का इजहार किया है। विदेश मंत्रालय ने यहां यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि आज सुबह कच्चातीवू द्वीप से 5 समुद्री मील उत्तर में एक श्रीलंकाई नौसैनिक जहाज और एक भारतीय मछली पकड़ने वाली नौका के बीच टक्कर की सूचना मिली थी। जहाज पर सवार चार भारतीय मछुआरों में से एक की दुर्भाग्यवश जान चली गई और दूसरा लापता है। दो मछुआरों को बचा लिया गया है और उन्हें कांकेसंतुरई तट पर लाया गया है।

गुरुवार को केरल के वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा करते लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी।

केरल में मरने वालों की संख्या 293 हुई

● वायनाड,

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 293 हो गई है, जिसमें 23 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि 240 लोग अब भी लापता हैं और 213 का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

मलबे से जीवित बचे लोगों को निकालने के लिए सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के नेतृत्व में मुंडक्कई, अट्टमाला और चूरलमाला में तलाशी अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि 19 गर्भवती महिलाओं सहित कम से कम 8,304 लोगों को वायनाड जिले के मेप्पडी और आसपास के इलाकों में स्थापित 82 राहत शिविरों में स्थानांतरित किया गया है, जबकि 143 शवों को विभिन्न

अस्पतालों में रखा गया है। अधिकारी के अनुसार, मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप (एमईजी) की सेना टीम द्वारा चूरलमाला और मुंडक्कई को जोड़ने वाले 190 मीटर के अस्थायी बेली ब्रिज का निर्माण लगभग पूरा हो गया है और इसका उपयोग दोपहर तक शुरू हो सकता है। मेजर जनरल विनोद मैथ्यू ने पत्रकारों को बताया कि वायनाड

वायनाड में हर तरफ तबाही का आलम, 200 से अधिक लापता,राहुल और प्रियंका मिलने पहुंचे पीड़ित परिवारों से

भूस्खलन की घटना देश में अब तक देखी गई सबसे व्यापक क्षति में से एक है और जब तक नया कंक्रीट पुल नहीं बन जाता तब तक बेली ब्रिज वायनाड के लोगों के लिए काम करेगा। राजस्व मंत्री के राजन ने कहा कि कंक्रीट काटने वाली मशीनों सहित दो और मशीनरी मुंडक्कई पहुंच गई हैं और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए अन्य 15 मलबा हटाने वाली मशीन जल्द ही घटना स्थल पर पहुंचेगी।

नई संसद की छत टपकी, चले सियासी तीर

कांग्रेस ने कसा तंज, कहा-पेपर लीकेज आउटसाइड, वाटर लीकेज इनसाइड

● नई दिल्ली,

एक साल पहले बनकर तैयार हुई नई संसद की छत से पानी लीक होने का एक वीडियो सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि संसद की लॉबी में छत से पानी गिर रहा है और उसके नीचे एक बाल्टी रखी है जिसमें पानी जमा हो रहा है। यह वीडियो कांग्रेस के मणिकम टैगोर ने शेयर कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद के बाहर पेपर लीक और अंदर पानी लीक।

इसे लेकर लोकसभा सचिवालय ने कहा कि ग्रीन संसद की अवधारणा को ध्यान में रखते हुए संसद भवन के कई हिस्सों में कांच के गुंबद (ग्लास डोम) लगाए गए हैं, ताकि नेचुरल लाइट आ सके। इसमें लॉबी भी शामिल है। बुधवार को भारी बारिश के बाद ग्लास डोम को सील करने के लिए लगाया गया ग्लास हट गया था, जिसके चलते पानी का रिसाव हुआ। हालांकि इसे अब ठीक कर लिया गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे। क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम से कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है। जनता पूछ रही है कि भाजपा सरकार में बनी हर नई छत से पानी टपकना, उनकी सोच-समझकर बनाई गई डिजाइन का हिस्सा होता है। वहीं सपा के मीडिया सेल ने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार में नेता इंजीनियर बन जाते हैं, इंजीनियरों को निर्देश देना शुरू कर देते हैं, काम में दखलंदाजी और आर्किटेक्चर में दखल देते हैं जिसका परिणाम सामने है। नए संसद भवन में पानी टपक रहा है। न पानी निकासी के इंतजाम हैं, न सीवर ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त है। भाजपा सरकार में दिल्ली हो या यूपी दोनों जगह यही हो रहा है। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से बारिश के चलते हालात बेहद खराब हैं। 27 जुलाई को ओल्ड राजेंद्र नगर में बारिश के बाद पानी भरने से राउ कोचिंग इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में पानी भर गया। इसमें तीन स्टूडेंट्स की जान चली गई। वहीं, 31 जुलाई को सिर्फ एक घंटे में 114 मिमी बारिश हुई। इसके चलते संसद, सुप्रीम कोर्ट, एम्स, लुटियंस दिल्ली, भारत मंडपम, इंडिया गेट-रिंग रोड टनल, प्रगति मैदान पानी में डूबे रहे। बुधवार की बारिश के चलते ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में दो-ढाई फीट तक पानी भर गया। नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई 2023 को हुआ था। प्रधानमंत्री ने 10 दिसंबर 2020 को इसकी आधारशिला रखी थी। नए संसद भवन का निर्माण 15 जनवरी 2021 को शुरू हुआ था। इस बिल्डिंग को पिछले साल नवंबर में पूरा हो जाना था। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनी ये बिल्डिंग प्रधानमंत्री मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे 28 महीने में बनाया गया। पुराना संसद भवन 97 साल पहले 1927 में बनाया गया था। मार्च 2020 में सरकार ने संसद को बताया था कि पुरानी बिल्डिंग ओवर यूटिलाइज्ड हो चुकी है और खराब हो रही है। इसके साथ ही लोकसभा सीटों के नए सिरे से परिसीमन के बाद जो सीटें बढ़ेंगी, उनके सांसदों के बैठने के लिए पुरानी बिल्डिंग में पर्याप्त जगह नहीं है।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के 18 सदस्य निलंबित

रांची, वार्ता : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी सदस्यों का जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने भाजपा के 18 सदस्यों को 2 अगस्त अपराह्न 2:00 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया। इससे पहले पूर्वाहन 11:00 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुदिव्य कुमार सोनू ने भाजपा विधायकों के रवैए पर नाराजगी जाहिर करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की गई। संसदीय परंपरा की विरुद्ध जिस तरह से भाजपा विधायक को की ओर से आचरण किया गया है वह निंदनीय है और नियमावली के अनुसार सभी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

भू-स्खलन गंभीर प्राकृतिक आपदा का संकेत

प्राकृतिक विक्षोभ ने मौसम में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने का काम किया है। जिसके चलते आए दिन प्राकृतिक आपदाएं आ रहीं हैं। 30 जुलाई को केरल के वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भू-स्खलन ने ध्यान आकृष्ट किया है। केरल के कई हिस्से दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी बारिश की मार झेल रहे हैं और भू-स्खलन हर साल की बात हो गई है। लेकिन जानलेवा भू-स्खलन नई बात है। इस सप्ताह, भारी बारिश के कारण कई भू-स्खलन हुए, जिनमें 200 लोग मारे गए औरकुछ गांव तो बर्बाद ही हो गए। यह क्षेत्र एक पर्यटन स्थल है और राजस्व क्षमता को अधिकतम करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करता है। यहां चलियार नदी लगभग 2 किमी की ऊंचाई से निकलती है और वल्लारमाला की ओर एक सीधी रेखा में बहती है, जिससे तेज पानी आता है और साथ ही अपेक्षाकृत अधिक तलछट भी बह जाती है। इस साल हुई बारिश ने नदी के जलस्तर और बल को और बढ़ा दिया, जिससे मलबा बहकर कम ढलान वाली जमीन पर बसे गांवों में जमा हो गया, जहां कई लोगों की मौत की खबर है। लेकिन त्रासदी इस तथ्य से और भी बढ़ जाती है कि 2020 में यहां भारी बारिश के कारण चलियार के ऊपरी इलाकों में वनस्पति आवरण खत्म हो गया, जिससे और अधिक चट्टानें और ह्यूमस विस्थापित होने के लिए असुरक्षित हो गए। भू-स्खलन की आशंका वाले इडुक्की, कोट्टायम, मलप्पुरम और वायनाड की भौगोलिक विशिष्टताएं वर्षों से स्पष्ट हैं। वे भू-स्खलन जोखिम मानचित्रों पर भी प्रमुखता से दिखाई देते हैं। इसलिए भू-स्खलन की घातक पुनरावृत्ति के लिए जलवायु परिवर्तन और राज्य को दोषी ठहराया जाना चाहिए, जो बार-बार बेपरवाह रहा है। वैसे हमारे देश में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए तैयार रहने की कोई परंपरा नहीं है। भू-स्खलन पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्रों में अधिक आम हैं। मानसून में तीव्र वर्षा के अधिक छोटे विस्फोट हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप कुछ मिट्टी के प्रकारों को उत्खनन करते समय उखाड़ना आसान हो गया है। बुनियादी ढांचा विकास, निर्माण गतिविधियां और मोनोक्रॉपिंग ने बदलती प्राकृतिक परिस्थितियों से निपटने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता से समझौता किया है। इन कारणों से, भूमि उपयोग के तरीके में बदलाव नहीं होना चाहिए और राज्य को इन क्षेत्रों में लुप्त हो चुकी वनस्पतियों को बहाल करना चाहिए और लोगों का पुनर्वास करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके पास अपने कल्याण के लिए अन्य अवसर हों। जैसा कि पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल ने सिफारिश की है, केरल को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों और उनके आसपास के क्षेत्रों में इंजीनियरिंग परियोजनाओं को भी अस्वीकार करना चाहिए, और विशेषज्ञ समितियों का गठन, उन्हें सुसज्जित, कर्मचारी और सशक्त बनाना चाहिए जो यहां अन्य परियोजनाओं की व्यवहार्यता पर विचार-विमर्श करें। वास्तव में, पैनल की सिफारिशें आर्थिक विकास को प्रभावित किए बिना अप्रत्याशित मौसम के प्रभावों को कम करने के लिए तैयार की गई थीं, लेकिन आज केरल विकास की जरूरतों को पर्यावरणीय चिंताओं के साथ संतुलित करने के विकल्प के बिंदु से पीछे छूट रहा है।

संतवाणी

एक संत ही त्याग की शिक्षा देता है। संन्यासी अपने जीवन, ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ और धर्म के अनुसार जीवन जीने की प्रेरणा देता है। संन्यासी अपने जीवन से समाज को देता है कि मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं, ये कभी पूरी नहीं हो सकती हैं, इसीलिए किसी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। - **रामकृष्ण परमहंस**, आध्यात्मिक गुरु

सामयिक

पाकिस्तान को सबक सिखाने की अनिवार्यता

शाहीन सबा

बीती 26 जुलाई को देश ने कारगिल विजय दिवस मनाया। जाहिर है, इस मौके पर उन शूरवीरों को देश ने भारी मन से और कृतज्ञता के भाव से याद किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जानों का नजराना दिया था। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर बीते शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में 1999 की जंग के नायकों को श्रद्धांजलि दी। वे कारगिल वॉर मेमोरियल भी गए। करीब 20 मिनट के संबोधन में प्रधानमंत्री जी ने कहा पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर के जरिये चर्चा में बना रहना चाहता है। उन्होंने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। अतीत में आतंकवाद को लेकर उनके हर प्रयास विफल रहे। मैं जहां खड़ा हूं, वहां से आतंक के आकाओं तक मेरी आवाज पहुंच ही रही होगी। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध परमाणु युद्ध के खतरे के साये में लड़ा गया था। अब यह स्थापित हो चुका है कि जनरल परवेज मुशर्रफ की अगुवाई में पाकिस्तानी सेना ने भारत को युद्ध में धकेला था। उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के कारगिल क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर चुपके से कब्जा भी कर लिया था, जबकि दोनों देशों के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व शांति स्थापना के प्रयासों में जुटे थे। इसमें फरवरी 1999 में लाहौर घोषणा पर हस्ताक्षर भी शामिल था। तमाम जटिल बाधाओं के बावजूद, भारतीय सेना और वायु सेना ने एक ऐसा अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों के वेश में पाकिस्तानी नियमित सैनिकों को खदेड़ दिया गया। भारतीय सैनिकों ने बलपूर्वक अपनी एक-एक इंच जमीन को भी वापस लिया। जबकि, वायु सेना ने दुश्मन की लॉजिस्टिक सुविधाओं और पहाड़ी किलों को निशाना बनाया। कारगिल में बुरी तरह मार खाने के बाद भी पाकिस्तान सुधरा नहीं। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कारगिल से मिले सबक का इस्तेमाल अन्य अपरंपरागत अभियानों को अंजाम देने के लिए किया, जिसमें 2008 के मुंबई हमले, 2016 में पठानकोट और उरी में सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला भी शामिल हैं। इन हमलों में पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों की भूमिका साफ नजर आ रही थी।

कारगिल और उसके बाद के घटनाक्रमों से साफ था कि पाकिस्तानी सेना ही अपने राजनेताओं द्वारा किए जा रहे शांति के प्रयासों को विफल कर रही है। कारगिल युद्ध के बाद ही परवेज मुर्शरफ राजधानी दिल्ली आए। वे पाकिस्तान की संभवतः पहली बड़ी शख्सियत थे, जो महात्मा गांधी की समाधि राजघाट में पहुंचे थे। यह 17 जुलाई, 2001 की बात है। वे जब भारत आए तब उन्हें सारा भारत कारगिल की जंग की इबारत लिखने वाला ही मानता था। जाहिर है कि इसी कारण उनसे देश नाराज था। बेशक, मुशर्रफ ने अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं को परवान चढ़ाने के लिए कारगिल का युद्ध छेड़ा था। उस समय वह पाकिस्तान आर्मी के चीफ थे। अपनी आत्मकथा इन द लाइन ऑफ फायर में उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तानी सेना कारगिल युद्ध में शामिल थी। हालांकि, इससे पहले पाकिस्तान इस तथ्य को छिपाता और झुठलाता ही रहा था। दिल्ली में 1943 में जन्में मुशर्रफ ने हार की शर्मिंदगी से बचने के लिए पूरी जिम्मेदारी तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर डाल दी थी। चूंकि दिल्ली उनका जन्म स्थान था, इसलिए उनकी उस पहली भारत यात्रा को लेकर जिज्ञासा का भाव भी था। वे जब इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर उतरे तो राजधानी दिल्ली में झमाझम बारिश हो रही थी। उनका राजधानी में पहला अहम कार्यक्रम राजघाट में जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देना था। वे जब राजघाट पहुंचे तब भी बारिश ने उनका पीछा नहीं छोड़ा था। खबरिया चैनलों से दिखाई जाने वाली तस्वीरों से साफ लग रहा था कि वे राजघाट में बेहद तनाव में थे। उन्होंने वहां पर विजिटर्स बुक में लिखा- महात्मा गांधी जीवनभर शांति के लिए कोशिशें करते रहे। कुछ ग्राफोलोजिस्ट (हैंड राइटिंग के विशेषज्ञों) ने परवेज मुर्शरफ की हैंड राइटिंग का अध्ययन करने के बाद दावा किया था कि मुशर्रफ के राजघाट पर विजिटर्स बुक पर लिखते वक्त हाथ कांप रहे थे और वे तनाव में थे।

दरअसल युद्ध हथियारों से ज्यादा हौसलों से लड़े जाते हैं। यह देश ने कारगिल के समय देखा था। सेना तो लड़ती ही है, उसे सारे देश का साथ भी मिलना चाहिए। कारगिल में पाकिस्तान के छल से सारा देश गुस्से में था। कारगिल एक ऐसा युद्ध था जो विश्व की सबसे मुश्किल लड़ाइयों में से एक माना जाता है। भारत के वीर योद्धाओं ने दुश्मन पाकिस्तान को दुर्गम पहाड़ियों की चोटियों से खदेड़ दिया था। हालांकि कारगिल की जंग को जीतने के लिए हमारे लगभग साढ़े पांच सौ शूरवीरों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनमें परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा भी थे। कैप्टन विक्रम बत्रा ने साहस और शौर्य की लंबी रेखा खींची थी। दुश्मन उनके नाम से कांपते थे। विक्रम ने जुलाई 1996 में भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में प्रवेश लिया। दिसंबर 1997 में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उन्हें 6 दिसम्बर 1997 को जम्मू के सोपोर में सेना की 13 जम्मू-कश्मीर राइफल्स में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति मिली। उन्होंने 1999 में कमांडो ट्रेनिंग के साथ कई प्रशिक्षण भी लिए। पहली जून 1999 को उनकी टुकड़ी को कारगिल युद्ध में भेजा गया। हम्प व राकी नाब स्थानों को जीतने के बाद विक्रम को कैप्टन बना दिया गया।

इसके बाद श्रीनगर-लेह मार्ग के ठीक ऊपर सबसे महत्वपूर्ण 5140 चोटी को पाक सेना से मुक्त करवाने की जिम्मेदारी कैप्टन बत्रा की टुकड़ी को मिली। कैप्टन बत्रा अपनी कंपनी के साथ घूमकर पूर्व दिशा की ओर से इस क्षेत्र की तरफ बढ़े और बिना शत्रु को भनक लगे हुए उसकी मारक दूरी के भीतर तक पहुंच गए। कैप्टन बत्रा ने अपने दस्ते को पुनर्गठित किया और उन्हें दुश्मन के ठिकानों पर सीधे आक्रमण के लिए प्रेरित किया। सबसे आगे रहकर दस्ते का नेतृत्व करते हुए उन्होंने बड़ी निडरता से शत्रु पर धावा बोल दिया और आमने-सामने की लड़ाई में शत्रु सेना के चार जवानों को मार डाला। बेहद दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद विक्रम बत्रा ने अपने साथियों के साथ 20 जून 1999 को सुबह तीन बजकर 30 मिनट पर इस चोटी को अपने कब्जे में ले लिया। कैप्टन विक्रम बत्रा ने जब इस चोटी से रेडियो के जरिये अपना विजय उद्घोष 'यह दिल मांगे मोर' कहा तो सेना ही नहीं बल्कि पूरे भारत में उनका नाम छा गया। इसी दौरान विक्रम के कोड नाम शेरशाह के साथ ही उन्हें 'कारगिल का शेर' कहा जाने लगा। कारगिल में कैप्टन विक्रम बत्रा जैसा पराक्रम सारे भारतीय सैनिकों ने दिखाया था। बेशक, कारगिल की हार से पाकिस्तान की आंखें नहीं खुलीं। वह अब भी भारत के खिलाफ रणनीति बनाता ही रहता है। भारत को उसकी नापाक हरकतों पर हर वक्त पैनी नजर तो रखनी ही होगी।

डॉ. सौरभ मालवीय

संस्कृति संरक्षण

धर्म परिवर्तन के विरुद्ध योगी का सख्त कदम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरंतर जनहित में बड़े एवं ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं। इसी कड़ी में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने जबरन धर्म परिवर्तन एवं लव जिहाद के विरुद्ध नए विधेयक को पारित करवाकर एक और इतिहास रच दिया है। इसमें अतिशयोक्ति नहीं है कि जब से योगी आदित्यनाथ उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं तभी से वे भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। अपनी संस्कृति एवं धर्म की रक्षा करना प्रत्येक मनुष्य का परम कर्तव्य है तथा वह इसी का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन कर रहे हैं।

विगत दीर्घकाल से लव जिहाद के प्रकरण सामने आ रहे हैं। प्रकरणों के अनुसार प्रेमप्रसंग में पड़कर लड़कियां दूसरे धर्म के पुरुषों से विवाह कर लेती हैं। विवाह के कुछ समय पश्चात् इन लड़कियों पर ससुराल पक्ष का धर्म स्वीकार करने का दबाव बढ़ने लगता है। बहुत सी लड़कियां ससुराल पक्ष का धर्म स्वीकार करने पर विवश हो जाती हैं, क्योंकि उनके पास इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं होता। जो लड़कियां ऐसा नहीं करतीं, उनका जीवन नारकीय बन जाता है। उन्हें ससुराल में यातना एवं अपमान का सामना करना पड़ता है। अनेक प्रकरणों में पति अथवा ससुराल पक्ष द्वारा लड़कियों को बेच देने के मामले भी प्रकाश में आए हैं। ऐसे प्रकरणों में लड़कियों की हत्याओं के मामले भी प्रकाश में आए हैं। निःसंदेह ऐसे प्रकरण किसी भी सभ्य समाज के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

अब उत्तरप्रदेश में नया कानून बनने से कुछ संतोषजनक होने की आशा जगी है। उत्तरप्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन एवं लव जिहाद की रोकथाम के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तरप्रदेश विधानसभा में जबरन धर्म परिवर्तन एवं लव जिहाद के विरुद्ध नया विधेयक प्रस्तुत किया, जो मंगलवार को पारित हो गया। इसे उत्तरप्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक-2024 नाम दिया गया है। इस नए विधेयक के अनुसार नाबालिग लड़की का लव जिहाद के लिए अपहरण करने तथा उसे बेचने पर आजीवन कारावास एवं एक लाख रुपए तक के आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। यदि किसी नाबालिग, दिव्यांग अथवा मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्ति, महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है तो दोषी को आजीवन कारावास के साथ-साथ एक लाख रुपए का आर्थिक दंड भी दिया जा सकता है। इसी प्रकार सामूहिक रूप से जबरन धर्म परिवर्तन पर भी आजीवन कारावास एवं एक लाख रुपए के आर्थिक दंड का प्रावधान है।

ऐसे प्रकरण भी सामने आते रहते हैं कि भारत में धर्म परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए विदेशों से भारी मात्रा में धनराशि आती है। योगी सरकार की दूरदर्शिता के कारण अब इस पर भी रोकथाम लग सकेगी। इस विधेयक में विदेशों से धर्म परिवर्तन के लिए आने वाले धन पर भी अंकुश लगाने हेतु कठोर प्रावधान किए गए हैं। विदेशी अथवा अपंजीकृत संस्थाओं से धन प्राप्त करने पर 14 वर्ष तक का कारावास तथा 10 लाख रुपए के आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। यदि कोई धर्म परिवर्तन के लिए किसी व्यक्ति के जीवन अथवा उसकी धन-संपत्ति को भय अथवा हानि में डालता है, उस पर बल प्रयोग करता है, उसे विवाह का झांसा देता है, लालच देकर किसी नाबालिग, महिला या व्यक्ति को बेचता है, तो उसके लिए न्यूनतम 20 वर्ष के कारावास का प्रावधान किया गया है। प्रकरण की गंभीरता के अनुसार इसमें वृद्धि भी की जा सकती है। दोषी को पीड़ित के उपचार एवं पुनर्वास के लिए भी आर्थिक दंड चुकाना होगा। अब जबरन धर्म परिवर्तन के संबंध में कोई भी व्यक्ति प्राथमिकी दर्ज करवा सकता है। इससे पूर्व केवल पीड़ित व्यक्ति, उसके परिवारजन अथवा संबंधी ही प्राथमिकी दर्ज करवा सकते थे। इस प्रकार योगी सरकार ने जबरन धर्म परिवर्तन रोकने की दिशा में प्रथम पग उठा लिया है। अब इस विधेयक को विधानसभा से पारित होने के पश्चात विधान परिषद भेजा जाएगा। तत्पश्चात इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उसके पश्चात् इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा।

(लेखक लखनऊ विवि में एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

लालजी जायसवाल

नारी सशक्तिकरण

गुजारा भत्ता और यूसीसी की राह

समाज में महिलाओं की स्थिति को देखते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि वे किसी भी समाज की प्रगति को वहां की महिलाओं की स्थिति से मापते हैं। यदि हम किसी भी समाज का उत्थान चाहते हैं तो हमें उस समाज की महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करना होगा। इसके लिए मजबूत विधिक प्रणाली की आवश्यकता है, जो महिलाओं के हितों की रक्षा कर सके और उन्हें बराबरी का हक और न्याय दिला सके। फिलहाल, पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ता लेने के हक की बात कही है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। फिलहाल उसके बाद से ही ये मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। खासतौर पर मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक और हलाला जैसी कुरीतियों से निजात दिलाने के बाद अब सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के अदालत के निर्देश को बढ़-चढ़कर आगे बढ़ा रही है, ताकि मुस्लिम महिलाओं को भी समान अधिकार से जोड़कर मुख्यधारा में लाया जा सके। हालांकि ये मुद्दा भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा पहले से भी उठाता रहा है, लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट के एक जज की तेलंगाना मामले में दी गई टिप्पणी ने भाजपा को इस मुद्दे को जोर-शोर से रखने में बल जरूर दे दिया है। साथ ही इस पर जमकर राजनीति भी हो रही है, जहां मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इसे चैलेंज करने की तैयारी कर रहा है, वहीं मुस्लिम संगठन इसे इस्लाम के शरिया कानूनों में हस्तक्षेप बता रही है। गौरतलब है कि ज्यादातर मुस्लिम महिला संगठन इसकी तारीफभी कर रहीं हैं। लेकिन उनका ये भी मानना है कि कई मामलों में पहले भी फैसला मिला है, लेकिन या तो पति ने हर्जाना देने से मना कर दिया या महिलाएं ये सिद्ध नहीं कर पाईं कि उनकी अपनी आमदनी नहीं है। इसके दूसरे पहलू ये भी हैं, जो कानूनी जानकार ज्यादातर महिलाओं को सलाह देते हैं कि या तो वो धारा 125 में जाने के बजाए महिलाएं घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत अपनी कार्रवाई करें, जिसमें एक ही अधिनियम के तहत कई तरह के विकल्प मिल जाते, जैसे घर की मिलकियत, हिरासत के आदेश, संरक्षण आदि जो महिलाओं को अदालत के चक्कर काटने से ज्यादा बेहतर साबित होते हैं। फिलहाल अभी इस मुद्दे पर भरपूर राजनीति होनी तय है लेकिन हमें ध्यान रखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से मुस्लिम महिलाओं को भरपूर लाभ होने वाला है। शरिया कानून मालूम हो कि दुनिया के 15 से भी ज्यादा देशों में फिलहाल शरिया कानून किसी न किसी तरह से लागू है। अलग-अलग देशों में शरिया कानून की डिग्री और तरीका अलग-अलग है। कहीं ये केवल निजी मामलों में ही लागू होता है तो कहीं क्रिमिनल मामलों में भी। मुस्लिम पर्सनल लॉ शरियत पर ही आधारित है, लेकिन भारत एक लोकतांत्रिक और सेकुलर देश है, इस वजह से ये भारतीय मुसलमानों के केवल निजी मामलों पर लागू होता है। शादी, तलाक और प्रॉपर्टी जैसे निजी मसलों में मुस्लिम पर्सनल लॉ ही लागू होता है। शरिया कानून एक तरह से इस्लामिक कानूनी व्यवस्था है। इसे कुरान और इस्लामी विद्वानों के फैसलों यानी फतवों को मिलाकर तैयार किया गया है। वैसे इसे जीवन जीने का एक रास्ता माना गया है। शरिया कानून के अनुसार बताया जाता है कि जीवन के हर पहलू को अल्लाह या खुदा की इच्छा के अनुसार कैसे जीना चाहिए। साथ ही इसमें अपराध को लेकर भी जानकारी दी गई है। इस्लाम के जानकारों का कहना है कि शरिया मुख्य रूप से नैतिक आचरण और पूजा और दान के बारे में है, लेकिन इसका एक हिस्सा अपराध से संबंधित है। शरिया कानून के तहत पारिवारिक संपत्ति में पुरुष की तुलना में महिला को आधा देने की व्यवस्था है लेकिन भारतीय संविधान में बराबरी का हक देना लिखा है जो हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत दिया जाता है। क्या था शाहबानो केस में जस्टिम बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने फैसला सुनाया कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला भी गुजारा भत्ता पाने के लिए पति के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 125 के तहत केस कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला ठीक वैसा ही है, जैसा कि 23 अप्रैल 1985 में शाहबानो मामले में दिया गया था। दरअसल, 1985 में इंदौर की एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो ने गुजारा भत्ता हासिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उनके पति मोहम्मद अहमद खान को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। हालांकि, मुस्लिम समुदाय में इस फैसले का विरोध शुरू हो गया।

(लेखक स्तम्भकार हैं)

मोनिका डागा

विचारबोध

सनातनी दर्शन में कर्म का विधान

सांसारिक बंधनों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए सात्विक कर्म ही श्रेष्ठतम उपाय है। जब तक संचित कर्मों का भार खाली नहीं होता तब तक आत्मा एक शरीर से दूसरे शरीर में भटकती रहती है और उसका मिलन परमात्मा से नहीं हो पाता है। जब हम किसी जीव या प्राणी को तकलीफ देते है, कभी जान बुझकर या अनजाने में किसी को दुख पहुंचाते हैं तो ऐसे कर्मों को पाप कर्म कहा जाता है। इन पाप-पुण्य कर्मों की गठरी लिए जन्म जन्मांतर तक न जाने कितनी योनियों में जीव भटकता रहता है। हर बार नया जन्म लेने पर हम भूतकाल में किए गए कर्मों को भूल जाते है लेकिन कर्म निरंतर हमारे साथ चलते रहते हैं, यही कर्म वर्तमान जीवन और उसमें आने वाले सुख-दुख की परिस्थितियों को निर्धारित करते हैं।

जिस तरह से यह कर्म हमें याद नहीं रहते उसी तरह से हर जन्म में हमें कितनी सांसें मिली हैं इस बात से भी हम अंजान रहते हैं। 84 लाख योनियों में कोई भी एक योनि ऐसी नहीं है जहां हम पुनः अच्छे कर्म करके अपने संचित कर्मों के भार को हटा सके, सिर्फ मानव योनि ऐसी है, जिसमें हम साधना के द्वारा, सात्विक कर्मों के द्वारा, ज्ञानार्जन के द्वारा, गुरु के मार्गदर्शन के द्वारा, सही दिशा में चलकर इन संचित कर्मों को जलाकर भस्म कर सकते हैं और परमात्मा की प्राप्ति कर सकते हैं। यह सत्य है हर आत्मा उस परमपिता परमात्मा का ही दिव्य अंश है। इस सत्य को जानकर भी हम अनजान बन जाते हैं और इस संसारिक मोह माया में लगे रहते हैं। वर्तमान में हम अपने कर्मों के खुद साक्षी बनते हैं लेकिन कभी-कभी उन कर्मों को, उन परिस्थितियों को, उन दुःखों के पलों को दूसरों पर थोप देते हैं। लेकिन हम ये नहीं जानते कि वह कर्म दोष हम अपने ही खाते में जोड़ते जा रहे हैं। इसीलिए हमारे धर्म में, शास्त्रों में, वेद पुराणों में, ग्रंथों में आदिकाल से ही कर्म की महिमा को महान बताया गया है। साथ ही इन कर्म बंधनों से मुक्ति के लिए बहुत जोर भी दिया गया है। कर्म का समय से घनिष्ठ संबंध होता है। हम सही कर्म का चुनाव नहीं करते तो यही कर्म कई गुना बढ़कर अनेक कर्मों का रूप ले लेते हैं और अन्य गलत कर्मों को भी जन्म देने का कारण बनते है। ये सिलसिला लगातार चलता रहता है और इन कर्मों के विकसित होते ही हम स्वयं ही दुर्भाग्य को जन्म देते हैं जिससे जीवन में दुःख की कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है और बीता हुआ समय लौट कर वापस नहीं आता है। हम ज्यादातर या तो भूतकाल में उलझे हुए रहते हैं या फिर भविष्य की योजनाओं में व्यस्त रहते हैं। हमारा ध्यान वर्तमान पर बहुत कम रहता है जबकि वर्तमान ही अहम भूमिका निभाता है। भूतकाल के अशुद्ध कर्मों को खत्म करने के लिए और भविष्य में पुण्य के कर्मों को बढ़ाने के लिए। जब हम इस स्थिति को पूर्णतः स्वीकार कर लेते हैं तो हम कोशिश करते हैं जितना हो सके हम वर्तमान में अच्छे कर्म करें, खुश रहने की कोशिश करें क्योंकि जिसका जन्म हुआ है उसकी मौत तो निश्चित है एक दिन। कोई भी यहां अमर नहीं है तो फिर हम चिंता क्यों करते हैं जो हमने किया है वह तो हमें भोगना ही होगा, भविष्य से हम अनभिज्ञ हैं लेकिन यह वर्तमान हमारे नियंत्रण में है। वर्तमान में विचरण करके हम अपने कर्मों को सुधारने का प्रयास करते हैं तो निश्चित ही हमारा भविष्य सुखद होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं और भूतकाल के कर्म बंधन भी कटने लग जाते हैं। यहीं हमारे जीवन में अच्छे संस्कार और शिक्षा अहम भूमिका निभाते हैं जो हमें सत्कर्म को करने की तरफ प्रेरित करते हैं। हम जान पाते हैं कौन सा कर्म सही है, कौन सा कर्म गलत है। जिस तरह से शब्दों के बाणों को वापस नहीं लिया जा सकता उसी प्रकार से किया हुआ करो कर्म वापस नहीं लिया जा सकता।

(लेखिका रचनाकार हैं)

जनमानस

ताकि ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी न हो

आलू-प्याज (सब्जी) तौलने वाले कांटा-बांट पर सील नहीं लगी है, तो ढाई हजार जुर्माना लगता है और ज्वेलर्स दुकानों के लिए भी यही नियम है। एक ग्राम सोना भी कम होने पर हजारों ग्राहकों के साथ करोड़ों की चपत लगती है, लेकिन नाप-तौल विभाग ज्वेलर्स पर भी वही ढाई से पांच हजार का जुर्माना लगाता है, जो फल-सब्जी दुकानों पर लगता है। नाप-तौल में ठगी के केस में चार माह में ढाई हजार रुपए से पांच हजार का मामूली जुर्माना भरने पर ही केस खत्म हो जाता है। नाप-तौल विभाग का भी अजीब नियम है। क्या फल- सब्जी की दुकानें और सोना-चांदी ज्वेलर्स की दुकानें समान है जो बराबरी का जुर्माना निर्धारित किया गया है। विधिक माप विज्ञान एक्ट-2009 के नियमों मे बदलाव कर सोना- चांदी व अन्य महंगी धातुओं के कम तौलने पर अलग मापदंड बनाकर जुर्माना निर्धारित होना चाहिए, ताकि ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी न हो।

- **आशीष सकलेचा, जावरा**

पदकतालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल योग
1.	चीन	11	7	4	22
2.	फ्रांस	8	11	8	27
3.	जापान	8	3	4	15
4.	ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
5.	अमेरिका	6	13	12	31
43.	भारत	0	0	3	3

सार संक्षेप

तीरंदाजी स्पर्धा में प्रवीण जाधव राउंड ऑफ 64 में हारे

लेस इनवैलिड्स : भारत के तीरंदाज प्रवीण जाधव गुरुवार को पुरुषों के व्यक्तिगत राउंड ऑफ 64 मैच में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ 6-0 से हार गए। इसी के साथ ओलंपिक में उनका अभियान समाप्त हो गया है। यहां खेले गये मुकाबले में चीन के तीरंदाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नौ तीरों में से छह में 10 का स्कोर किया। जबकि 28 वर्षीय जाधव ने जवाब में केवल चार बार ही 10 के निशाने लगाए। अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत काओ वेनचाओ ने तीन सेटों के बाद प्रतियोगिता जीत ली। इससे पहले, जाधव भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम का भी हिस्सा थे, जो पेरिस 2024 में क्वार्टर फाइनल में कांस्य पदक विजेता तुर्की से हार गए थे।

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में हारे

पेरिस : भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल मैच में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से हार गए। बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज और टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता चिया-सोह की जोड़ी ने सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को 21-13, 14-21, 16-21 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट में भारतीय जोड़ी हावी रही। हालांकि चिया-सोह ने वापसी करते हुए आराम से दूसरा सेट जीत लिया। निर्णायक तीसरे सेट में मलेशियाई जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सात्विक-चिराग के खिलाफ चार मैचों में पहली बार अपने करियर की नौवीं जीत दर्ज की। पिछले साल एशियाई खेलों के खिताब की राह पर सात्विक-चिराग ने सेमीफाइनल में चिया-सोह को हराया था। हालांकि इस आमने-सामने की टक्कर में भारतीय जोड़ी अपने तीन मैचों की जीत के सिलसिले को आगे नहीं बढ़ा सकी। चिया-सोह का सेमीफाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग से मुकाबला होगा।

सरबजोत का स्वदेश लौटने पर हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली: भारतीय निशानेबाज सबरजोत सिंह का गुरुवार को स्वदेश लौटने पर जोरदार स्वागत किया गया। पेरिस ओलिपिक में 10 मीटर मिश्रित युगल निशानेबाजी में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत का दिल्ली हवाईअड्डे पर ढोल-नगाड़े के साथ शानदार स्वागत किया गया। भारतीय एथलीटों में सरबजोत सिंह, अर्जुन बाबूता, रमिता जिंदल, एलावेनिल वलारिवन, रिदम सांगवान, संदीप सिंह और अर्जुन सिंह चीमा स्वदेश लौट आए हैं। उल्लेखनीय है कि सबरजोत ने पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में मनु भाकर के साथ कांस्य पदक जीता था।

मांडविया, बिंद्रा ने कुसाले को बधाई दी

नई दिल्ली/पेरिस : केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया एवं पूर्व ओलंपियन निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में स्वप्निल कुसाले को पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। डॉ. मंडाविया ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के लिए बधाई। ओलंपिक में इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय, आपकी उपलब्धि हमें अविश्वसनीय रूप से गौरवान्वित करती है। बिंद्रा ने भी सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वप्निल की शानदार कांस्य पदक जीत से बेहद रोमांचित हूं, आपकी कड़ी मेहनत, धैर्य और जुनून ने वाकई रंग दिखाया है। उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और निशानेबाजी में पदक जीतना आपकी लगन और प्रतिभा का प्रमाण है। आपने भारत को इतना गौरवान्वित किया है।

गुरुवार को फ्रांस के पेरिस में होने वाले पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स की पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में भाग लेते एथलीट।

1 अगस्त को फ्रांस के पेरिस के उत्तर-पश्चिमी उपनगर कोलोंब्स में अर्जेंटीना और आयरलैंड के बीच हॉकी के पुरुष पूल बी मैच के दौरान प्रतिस्पर्धा करते अर्जेंटीना के फेडेरिको मोन्जा (बाएं)।

पेरिस ओलंपिक में भारत को तीसरा मेडल

निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने कांस्य जीता, 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कामयाबी

12 साल बाद ओलंपिक में किया डेब्यू, रोल मॉडल हैं धौनी

फाइनल में जगह नहीं बना सकी सामरा और मौदगिल

● पेरिस,

पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को भारत को तीसरा मेडल मिला। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्वप्निल कुसाले ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। खास बात यह है कि इस बार के ओलंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं। स्वप्निल कुसाले 2015 में कुवैत में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे शूटर्स को हरा चुके हैं। मेडल जीतने के बाद स्वप्निल कुसाले ने कहा कि मुझे काफी खुशी हो रही है कि मैंने देश के लिए मेडल जीता। फाइनल के दौरान काफी नर्वस था, धड़कनें तेज हो गई थीं। स्वप्निल महाराष्ट्र के पुणे में जन्मे। 28 साल के स्वप्निल 2012 से इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक-2024 में डेब्यू किया है। पहले ही ओलंपिक में स्वप्निल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। स्वप्निल के रोल मॉडल एमएस धौनी हैं। धौनी की तरह स्वप्निल भी सेंट्रल रेलवे में टिकट कलेक्टर हैं। स्वप्निल भी धौनी की तरह ही शूटिंग रेंज में शांत रहते हैं। स्वप्निल की मां कंबलवाडी गांव की सरपंच हैं। पिता और भाई टीचर हैं। वहीं सिफ्त कौर सामरा और अंजुम मौदगिल क्वालिफिकेशन राउंड में बाहर होने के बाद महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। 22 वर्षीय सिफ्त ने अपने ओलंपिक पर्दापण में कुल 575-228 का स्कोर करके 31वां स्थान हासिल किया। इस बीच मौदगिल 584-268 के स्कोर के साथ 18वें स्थान पर रहीं। केवल शीर्ष आठ निशानेबाज ही शुक्रवार को फाइनल में हिस्सा लेंगे। अमेरिका के सेगेन मदाल्डेना और चीनी निशानेबाज झांग कियोनग्यू ने 593 का ओलंपिक क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। एशियाई खेलों 2023 में सामरा ने 469.6 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पिछले साल वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में व्यक्तिगत और टीम दोनों स्पर्धाओं में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन का खिताब भी जीता था। 30 वर्षीय मौदगिल ने टोक्यो 2020 में हिस्सा लिया लेकिन फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं।

भारतीय पुरुष और महिला धावक 20 किमी पैदल चाल रेस में पदक से चूके

● पेरिस,

भारत के धावक विकास सिंह, परमजीत सिह बिष्ट और अक्षदीप सिंह और महिला वर्ग में प्रियंका गोस्वामी गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में 20 किमी पैदल चाल रेस में पदक से चूक गए। गुरुवार को हुई इस प्रतियोगिता में विकास सिंह पैदल चाल रेस में 1:22:36 समय के साथ 30वें स्थान पर रहे।

28 वर्षीय विकास गुरुवार को ट्रोकाडेरो में रेस में हिस्सा लेने वाले तीन भारतीय एथलीटों में सबसे आगे रहे। वह पिछले साल एशियाई खेलों की इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे। परमजीत सिंह बिष्ट अपने पर्दापण ओलंपिक में 1:23:48 समय के साथ 37वें स्थान पर रहे। इसके अलावा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद बाहर हो गए और रेस पूरी नहीं कर सके। इस स्पर्धा में इक्वाडोर के ब्रायन डेनियल पिंटाडो ने 1:18:55 समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील के काइओ बोनफिम (1:19:09) और स्पैनियार्ड अल्वारो मार्टिन (1:19:11) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किया। महिला वर्ग में भारतीय एथलीट प्रियंका गोस्वामी 1:39:55 के समय के साथ 20 किमी पैदल चाल रेस में 41वें स्थान पर रहीं। स्पर्धा में गोस्वामी आधे समय तक आगे थी लेकिन वह 17वें स्थान पर पहुंच गईं। चीन की यांग जिआयु ने 1:25:54 समय के साथ स्वर्ण पदक, स्पेन की मारिया पेरेज ने 1:26:19 समय के साथ रजत पदक और ऑस्ट्रेलियाई एथलीट जेमिमा मोंटेग ने 1:26:25 के साथ कांस्य पदक जीता।

लक्ष्य सेन ने प्रणॉय को हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

लक्ष्य सेन ने एचएस प्रणॉय के खिलाफ 21-12, 21-6 से जीत हासिल की

● पेरिस,

भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पुरुष एकल के प्री-क्वार्टर बैडमिंटन मैच में हमवतन एचएस प्रणॉय को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने प्रणय के खिलाफ 21-12, 21-6 से जीत हासिल की।

दो बार के युवा ओलंपिक पदक विजेता लक्ष्य का क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे के 12वीं वरीयता प्राप्त चोउ टीएन चेन से मुकाबला होगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय आज लक्ष्य का मुकाबला करने में विफल रहे। ला चैपल एरिना में लक्ष्य ने प्रणॉय को 39 मिनट में हराते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले 22 वर्षीय लक्ष्य ने ग्रुप एल में जोनाथन क्रिस्टी और जूलियन कैराग्गी को हराया था। वहीं 28 वर्षीय प्रणॉय ने ग्रुप के में फैबियन रोथ और ले डक फाट को हराया था। दोनों ही भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

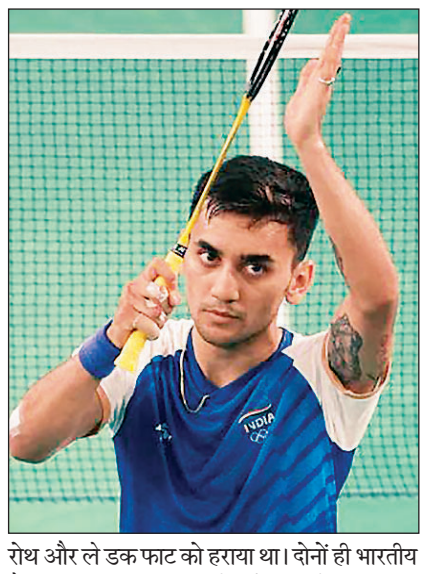

हॉकी में बेल्जियम से हारा भारत

भारत और बेल्जियम का क्वार्टर फाइनल में जाना तय

● पेरिस,

भारतीय हॉकी टीम को गुरुवार को पूल बी के आखिरी ग्रुप मुकाबल में बेल्जियम से 2-1 से हार का सामना करना का सामना करना पड़ा है। यहां खेले गए मैच में भारत फॉरवर्ड अभिषेक ने पहले हॉफ के 18वें मिनट में गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई। बेल्जियम ने दूसरे हॉफ में आक्रामक अंदाज में वापसी की। थिब्यू स्टॉकब्रोएक्स ने 33वें मिनट गोल कर हिसाब बराबर किया। इसके बाद जॉन-जॉन डोहमेन ने 44वें मिनट में गोलकर बेल्जियम को बढ़त दिला दी। पुरुष हॉकी पूल बी में यह भारत की पहली हार है। भारत ने अब तक टूर्नामेंट में अपने पिछले तीन मैचों में से दो जीते। हरमनप्रीत सिंह एंड कंपनी ने न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया और आयरलैंड को 2-0 से हराया। अर्जेंटीना के खिलाफ उनका मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। दूसरी ओर बेल्जियम ने टूर्नामेंट में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। इससे पहले, उन्होंने आयरलैंड को 2-0 से हराया, न्यूजीलैंड को 2-1 से हराया और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6-2 से जीत हासिल की थी। दोनों टीमों का ग्रुप के शीर्ष चार में रहना तय है और इसी के साथ दोनों ने पुरुष हॉकी क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

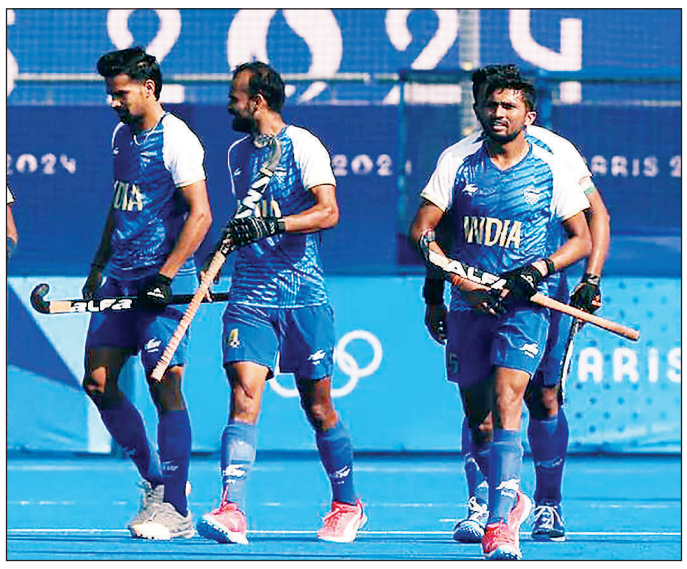

रोहित-कोहली वनडे सीरीज को तैयार

श्रीलंका को मैच से पहले झटका, मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका वनडे सीरीज से बाहर

कोलंबो, वार्ता : भारत और श्रीलंका के बीच आज से वनडे सीरीज शुरू होनी है, लेकिन इससे पहले श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। अब से केवल 12 घंटे से भी कम वक्त में पहला मुकाबला शुरू हो जाएगा, लेकिन ऐसी खबर सामने आई है, जिससे हलचल सी मचा दी है। पहले ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज हार चुकी श्रीलंका की टीम अब और भी ज्यादा संकट में घिरती हुई नजर आ रही है। हालांकि आनन फानन में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की ओर से रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया गया है, साथ ही तीन खिलाड़ी रिजर्व के तौर पर भी शामिल किए गए हैं, ताकि अगर कोई और दिक्कत बढ़े तो उन्हें खेलने का मौका मिले।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त श्रीलंका के दौरे पर है। पहला मैच आज कोलंबो में खेला जाना है। इससे पहले खबर आई कि मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों को चोट लगी है। इससे हड़कंप सा मच गया, क्योंकि पहले मैच अब ज्यादा दूर नहीं है। श्रीलंका क्रिकेट की ओर से सोशल मीडिया पर जानकारी दी गई है कि दिलशान मदुशंका को बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, जो ग्रेड 2 की बताई जा रही है। उनको प्रैक्टिस के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी। वहीं भारत के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान कैच लेने के लिए डाइव करते समय मथीशा पथिराना के दाएं कंधे में हल्की मोच आ गई है। इसलिए वे भी बाहर हो गए हैं। इस बीच श्रीलंका क्रिकेट के सेलेक्टर्स ने मथीशा पथिराना और दिलशान मदुशंका की जगह पर मोहम्मद शिराज और ईशान मलिंगा को वनडे टीम में शामिल करने का ऐलान कर दिया है। इतना ही नहीं कुसल जनिथ, प्रमोद मदुशन और जेफरी वेंडरसे को भी टीम के साथ रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है।

नहीं रहे अंशुमन गायकवाड़

बेंगलुरु, वार्ता : भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। भारतीय टीम के बेहतरीन सलामी बल्लेबाजों में से एक रहे गायकवाड़ कैंसर से पीड़ति थे और लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पिछले वर्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उनके इलाज के लिए एक करोड़ रुपये की राशि दी थी। 1983 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों ने भी उनकी आर्थिक मदद की थी। वह पिछले महीने लंदन से स्वदेश लौटे थे। वह भारतीय के मुख्य कोच भी रहे थे। वह सौरव गांगुली की कप्तान के समय भारतीय टीम कोच थे। अंशुमन गायकवाड़ भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 एकदिवसीय खेले थे। अपने इस करियर में उन्होंने कई बेहतरीन पारियां खेली। 1983 में एक पंजाब के जलंधर में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने संकट के शानदार धैर्यपूर्ण 201 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 17 चौके लगाये थे। गायकवाड़ ने 27 सितंबर 197 को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अपना पर्दापण किया और 31 दिसंबर 1984 को अपना आखिरी टेस्ट खेला। बीसीसीआई ने गायकवाड़ को 2018 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था। एक समय जब वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के आगे बल्लेबाजों का पिच पर टिकना मुश्किल होता था। ऐसे समय में गायकवाड़ ने अपनी रक्षात्मक शैली की एक अलग पहचान बनाई। उनकी इस रक्षात्मक शैली के कारण उन्हें 'द ग्रेट बाल' के नाम से भी जाना जाता था। गायकवाड़ दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर के साथ पारी की शुरुआत करने आते थे। उन्हें सुनील गावस्कर का 'राइट हैंड' कहा जाता था। उन्होंने अपने 22 साल के क्रिकेट करियर में 205 प्रथम श्रेणी मैच खेले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने गायकवाड़ को प्रतिभाशाली खिलाड़ी और शानदार कोच बताते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि अंशुमान गायकवाड़ जी को क्रिकेट में उनके अपार योगदान के लिए याद किया जाएगा। उनके निधन से दुखी हूं। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)